आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 17 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 224
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

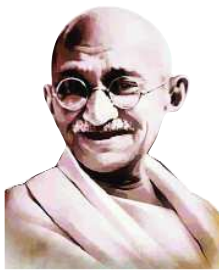

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

मास्टर प्लान सड़कों के धीमे काम पर आयुक्त की फटकार

पेज-2

मेसी ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

पेज-5

बिजली ग्रिड : पहले जमीन और अब कैट का रोड़ा

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- मुर्शिदाबाद में बड़ा हादसा... ट्रेन ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, 2 बच्चों समेत 3 की मौत
- राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात UPSSF के पद अब होंगे स्थायी, चढ़ावा चोरी के बाद बड़ा फैसला
- नोएडा की पारस टिएरा सोसायटी में AC फटने से लगी आग, बड़ा हादसा टला
- जम्मू-कश्मीर : पुलिस से हथियार छीनने की कोशिश में एक शख्स ढेर, चार SOG जवान घायल
- रूसी तेल खरीदने पर भारत पर 100% टैरिफ का प्रस्ताव, अमेरिका में 60+ सीनेटर बिल के पक्ष में
- FBI का बड़ा एक्शन, मोस्ट वांटेड गैंगस्टर नीतिश कौशल अमेरिका से गिरफ्तार
- बलूचिस्तान में BLA का बड़ा अटैक, 45 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा
- चीन ने अमेरिका के करोड़ों मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन डेटा खरीदा-ट्रंप

बीजेपी में अब 'समर्पण' नहीं, 'सरेंडर' का इनाम

छह दिन के नए नेता पर मेहरबानी, वर्षों से झंडा ढोने वाले कार्यकर्ता पूछ रहे-हमारी तपस्या किस काम की?

आशीष गुप्ता
9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर बीजेपी में इन दिनों एक सवाल दबे स्वर में खूब पूछा जा रहा है-क्या पार्टी में अब वर्षों की निष्ठा से ज्यादा महत्व दूसरी पार्टी से आए नेताओं को मिल रहा है?

इस सवाल की वजह बने हैं कांग्रेस छोड़कर 9 जुलाई को बीजेपी में शामिल हुए राकेश यादव। महज छह दिन में पहले उन्हें प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी मिली और फिर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर दौरे में एयरपोर्ट पर जिस तरह वे मुख्यमंत्री के ठीक बगल में नजर आए, उसने संगठन के भीतर नई चर्चा छेड़ दी है।

बीजेपी के कई पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने वर्षों तक बूथ से लेकर मंडल, जिला और प्रदेश स्तर तक पार्टी का झंडा उठाया, चुनावों में दिन-रात मेहनत की, विपक्ष के हमले सहे, लेकिन उन्हें आज तक वैसी राजनीतिक पहचान नहीं मिली, जैसी एक नए चेहरे को कुछ ही दिनों में मिल गई।

'हम लड़ते रहे, वे आते ही आगे निकल गए'

पार्टी के अंदर चर्चा है कि जिन नेताओं ने कांग्रेस में रहते हुए वर्षों तक बीजेपी और उसके शीर्ष नेतृत्व पर हमले किए, वही नेता आज बीजेपी में आते ही संगठन के 'फ्रंट फेस' बनते नजर आ रहे हैं। इससे उन कार्यकर्ताओं में असहजता है, जिन्होंने राजनीतिक संघर्ष की पूरी यात्रा बीजेपी के साथ तय की।

एक वरिष्ठ कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'अगर पार्टी में पहचान पाने का सबसे आसान रास्ता पहले कांग्रेस में जाकर बीजेपी को कोसना और फिर वापस बीजेपी में आना है, तो वर्षों से पार्टी के लिए काम करने वालों का मनोबल कैसे बना रहेगा?'

पुराने चेहरे क्यों हैं खामोश?

बीजेपी ने हाल ही में प्रदेश प्रवक्ताओं की नई टीम बनाई। संगठन के कई नेताओं को वर्षों की मेहनत के बाद जिम्मेदारी मिली। वहीं राकेश यादव को पार्टी में प्रवेश के साथ ही प्रवक्ता बनाया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री के साथ उनकी प्रमुख मौजूदगी ने यह संदेश भी दिया कि संगठन उन्हें तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है।

यही कारण है कि कांग्रेस से वर्षों पहले बीजेपी में आए कई नेता भी इस घटनाक्रम को चुपचाप देख रहे हैं। वे खुलकर कुछ नहीं कह रहे, लेकिन अंदरखाने असंतोष की चर्चा तेज है।

संगठन की लगाम ढीली या वीआईपी ट्रीटमेंट

कांग्रेस से बीजेपी में आए राकेश यादव को लेकर अब पार्टी के अंदर एक नई चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा इस बात की नहीं कि वे कांग्रेस पर लगातार हमलावर हैं, बल्कि इस बात की है कि वे कई बार प्रदेश नेतृत्व को विश्वास में लिए बिना ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं और प्रेस विज्ञप्तियां जारी कर रहे हैं। बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में आमतौर पर प्रदेश स्तर के प्रवक्ताओं और नेताओं के बयान तय रणनीति और समन्वय के तहत जारी होते हैं। बड़े राजनीतिक मुद्दों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले प्रदेश मीडिया विभाग और संगठन को सूचना देना सामान्य प्रक्रिया मानी जाती है। लेकिन पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि राकेश यादव इस परंपरा से अलग अपनी शैली में काम कर रहे हैं। यही वजह है कि संगठन के भीतर सवाल उठने लगे हैं कि क्या राकेश यादव को विशेष छूट मिली हुई है, या फिर उनकी सक्रियता पर कोई निगरानी नहीं है? सूत्र बताते हैं कि हाल के दिनों में उन्होंने कई मुद्दों पर स्वयं प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं और मीडिया को सीधे बयान जारी किए। इससे पार्टी के कुछ पदाधिकारियों में असहजता है। उनका मानना है कि यदि हर प्रवक्ता अपनी-अपनी लाइन लेकर चलेगा तो पार्टी का आधिकारिक संदेश कमजोर पड़ सकता है।

नामांतरण घोटाला

विवादित संपत्तियों की रजिस्ट्री करवाने वालों को खोज रहा निगम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के बहुचर्चित नामांतरण घोटाले में अब नया और गंभीर मोड़ आ गया है। पंजीयन विभाग की ओर से नगर निगम को भेजी गई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि विवादित 354 संपत्तियों में से 51 की खरीदी-बिक्री की रजिस्ट्री हो चुकी है। इस जानकारी के सामने आने के बाद नगर निगम अधिकारियों ने नामांतरण करवाने वाले आवेदकों की तलाश शुरू कर दी है, नोटिस जारी के बाद अब कोई सामने नहीं आ रहा है।

पंजीयन विभाग की रिपोर्ट से खुला राज नगर निगम के अपर आयुक्त आकाश सिह ने पंजीयन विभाग को पत्र लिखकर 354 विवादित संपत्तियों की जानकारी मांगी थी, साथ ही पूछा गया था कि इनमें से कितनी संपत्तियों की नामांतरण के बाद खरीदी-बिक्री हुई है। जवाब में पंजीयन विभाग ने बताया कि 51 संपत्तियों की रजिस्ट्री हो चुकी है। इससे आशंका और गहरा गई है कि फर्जी तरीके से नाम दर्ज कराने वाले लोगों ने संपत्तियों का सौदा भी कर दिया।

संपत्तियों का मांगा गया पूरा ब्यौरा- रिपोर्ट मिलने के बाद नगर निगम ने पंजीयन विभाग से उन 51 संपत्तियों का विस्तृत विवरण मांगा है, जिनकी रजिस्ट्रियां हो चुकी हैं। अधिकारियों का कहना है कि पूरी जानकारी मिलने के बाद यह स्पष्ट होगा कि संपत्तियों की बिक्री किन लोगों ने की और वर्तमान खरीदार कौन हैं? इसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

नामांतरण निरस्त, फिर भी हो गई रजिस्ट्री-घोटाला सामने आने के बाद नगर निगम ने अपने रिकॉर्ड में कई संपत्तियों के फर्जी नामांतरण निरस्त कर पुराने मालिकों के नाम बहाल करने का दावा किया था, लेकिन अब सामने आया है कि फर्जी नाम दर्ज रहने के दौरान कई संपत्तियों की रजिस्ट्रियां भी हो गईं। ऐसे में निगम की कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जांच समिति की धीमी रफ्तार पर उठ रहे सवाल

नामांतरण घोटाला उजागर होने के बाद निगम आयुक्त ने तीन अपर आयुक्तों की जांच समिति बनाकर 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। हालांकि निर्धारित समय बीतने के बावजूद जांच पूरी नहीं हो सकी है। सूत्रों के मुताबिक... समिति कार्रवाई तय करने के बजाय मामले को ई- नगर पालिका पोर्टल और शासन स्तर तक सीमित रखने की प्रक्रिया में उलझी हुई है। ऐसे में जांच की धीमी गति पर भी सवाल उठ रहे हैं।

गैर मुस्लिम सदस्यों का हो बहिष्कार- एआईएमआईएम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को लेकर जारी विवाद के बीच अब ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) भी खुलकर मैदान में उतर आई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल के सामाजिक बहिष्कार (सोशल बॉयकॉट) का ऐलान करते हुए मुस्लिम समाज से अपील की है कि उन्हें निकाह, वलीमा, जन्मदिन और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में आमंत्रित न किया जाए। उन्होंने कांग्रेस विधायक और वक्फ बोर्ड के सदस्य से भी नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की। मोहसिन अली खान ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम मुस्लिम विरोधी कानून है। ऐसे में जो लोग इसका समर्थन कर रहे हैं या इसके साथ खड़े हैं, उनका सामाजिक स्तर पर विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सनव्वर पटेल का सोशल बॉयकॉट करते हैं और प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश के मुसलमानों से भी यही अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को सनवर पटेल को निकाह, बारात, वलीमा, जन्मदिन, किड पार्टी और अन्य सामाजिक या संगठनात्मक कार्यक्रमों में नहीं बुलाना चाहिए।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के चक्कर में बसों के परमिटों का काम 'होल्ड' पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ग्वालियर ● मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के कारण फिलहाल परमिटों का काम होल्ड पर कर दिया गया है। परिवहन विभाग यह घोषित रूप से नहीं कर रहा है लेकिन क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारों में बैठकों को आगे बढ़ाकर टाला जा रहा है। कुछ जगहों पर नवीनीकरण के परमिट ही दिए जा रहे हैं, नए परमिटों को जारी नहीं किया जा रहा है।

इसके पीछे जो गणित बताया गया वह यह कि मुख्यमंत्री की सुगम परिवहन योजना में रूटों के चयन की प्रक्रिया जारी है, इंदौर में सूचना भी जारी हो चुकी है। निजी ऑपरेटरों को आमंत्रित किया गया है। ऐसे में परिवहन विभाग योजना के पहले मुख्य रूटों को लेना चाहता है जिससे सुगम परिवहन की बसों का संचालन किया जा सके।

निजी ऑपरेटरों व सुगम परिवहन दोनों को देने होंगे परमिट-अब मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा आने के बाद यह भी मुश्किल खड़ी होगी कि सरकार को दोनों परमिट देने होंगे। सुगम परिवहन योजना में रूटों का चयन कर लिया गया है। निजी आपरेटर भी परमिटों की मांग करेंगे और योजना के तहत भी परमिट जारी होने हैं तो इसको लेकर परिवहन विभाग को अधिक सावधानी बरतना होगी। उधर राज्य परिवहन प्राधिकरण का मामला कोर्ट में चल रहा है।

पीपीडी मोड पर बसों का संचालन करेंगे

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का पहला चरण अगस्त से शुरू होने जा रहा है परिवहन विभाग बसों के परमिट देगा और निजी बस संचालक पीपीपी मोड पर एग्रीमेंट कर इन रूटों पर बसों का संचालन करेंगे। क्षेत्रीय संचालन में इंदौर सहित भोपाल, जबलपुर, रीवा, सागर, ग्वालियर आदि शामिल हैं। बता दें कि जिलों में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारों की ओर से बसों के नए परमिट जारी व नवीनीकरण किया जाता है, वर्तमान में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना को लेकर कंपनी गठित की जा चुकी है। सात जुलाई को परिवहन विभाग की ओर से इंदौर के रूटों को लेकर नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है जिसमें इंदौर से अन्य शहरों के लिए बसों के रूट खोले हैं। शासन की प्राथमिकता पर योजना है इस कारण शेष परमिटों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

एसआईआर में 7,239 वोटर्स हुए कम, दतिया में 2023 में इतना ही था कांग्रेस जीत का अंतर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दतिया उपचुनाव से पहले एसआईआर के बाद मतदाता सूची से 7,239 नाम हटे। यह संख्या 2023 की जीत के अंतर के करीब है। कांग्रेस ने सूची सत्यापन के निर्देश दिए हैं।

दतिया में 7,239 वोटर कम, जीत का अंतर भी था इतना ही। एसआईआर के बाद दतिया की मतदाता सूची में बड़ा बदलाव। नरोत्तम मिश्रा की हार के वोट और घटे मतदाता, संयोग या असर। दतिया उपचुनाव से पहले कांग्रेस ने बूथवार सूची जांचने के निर्देश दिए। 2,27,649 से 2,20,410 मतदाता, दतिया में गणित उलझा।

दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन जमा हो चुके हैं। 16 जुलाई को नाम वापसी के बाद तस्वीर साफ होगी। यह चुनाव एसआईआर के बाद बनी नई मतदाता सूची से होगा। इस सूची में दतिया के 7,239 मतदाता कम हो गए हैं। 2023 में कांग्रेस यहां सिर्फ 7,742 वोटों से जीती थी।

दतिया में विधानसभा उपचुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है।

मतदाता सूची में बड़ी गिरावट

एसआईआर से पहले दतिया में 2,27,649 मतदाता दर्ज थे। पुनरीक्षण के बाद यह संख्या घटकर 2,20,410 रह गई है। यानी कुल 7,239 मतदाताओं के नाम सूची से हट गए हैं। यह गिरावट किसी छोटे उपचुनाव के लिए मामूली नहीं मानी जा सकती। विधानसभा जैसे चुनाव में हर वोट अहम होता है। इतनी बड़ी संख्या में नाम हटना उम्मीदवारों की रणनीति बदल सकता है।

प्रत्याशियों ने अपने नामांकन जमा कर दिए हैं। 16 जुलाई को नाम वापसी की आखिरी तारीख है।

इसके बाद ही साफ होगा कि मैदान में असल में कौन-कौन उम्मीदवार बचे हैं। यह उपचुनाव पहले की तरह सामान्य नहीं है। इस बार वोटिंग विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद बनी सूची से होगी। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने भाजपा के डॉ. नरोत्तम मिश्रा को हराया था। यह जीत महज 7,742 वोटों के अंतर से मिली थी। गौर करने वाली बात यह है कि अब जितने मतदाता सूची से हटे हैं, वह आंकड़ा भी लगभग उतना ही है। यह संयोग दोनों पार्टियों के लिए नई चुनौती बन सकता है। निर्वाचन आयोग ने फरवरी 2026 में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया था।

देश की सबसे लंबी जल सुरंग का आज निरीक्षण करेंगे सीएम यादव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भोपाल कटनी में बन रही देश की सबसे लंबी स्लीमनाबाद जल सुरंग अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को इसका निरीक्षण करेंगे। इसके पूरा होने पर विंध्य और महाकौशल के करीब 1,450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव शुक्रवार को कटनी जिले में बन रही देश की सबसे लंबी जल सुरंग स्लीमनाबाद टनल का निरीक्षण करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग अंतिम चरण में है और इसके पूरा होने से विंध्य और महाकौशल क्षेत्र के लाखों किसानों को स्थायी सिंचाई की सुविधा मिलेगी। कटनी जिले में 11.952 किलोमीटर लंबी स्लीमनाबाद जल सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। सुरंग का केवल अंतिम एक मीटर हिस्सा शेष है, जिसके बाद इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव शुक्रवार को इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निरीक्षण करेंगे।

मालवा में लंबे समय से बारिश न होने से खरीफ की फसलें प्रभावित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज़ हवाओं और आंधी-तूफ़ान के साथ हल्की बारिश की संभावना के बावजूद, लंबे समय से बारिश न होने के कारण मालवा-निमाड़ इलाके में खरीफ की फसलें प्रभावित होने लगी हैं। धार, खंडवा, खरगोन, बड़वानी और देवास ज़िलों में पिछले लगभग एक हफ़्ते से अच्छी बारिश नहीं हुई है, जिससे खेतों में नमी कम होने की वजह से किसान चिंतित हैं।

बारिश के आंकड़ों के अनुसार, यह इलाका 7 जुलाई से ही ज़्यादातर सूखा रहा है। इस दौरान धार में बहुत कम बारिश हुई, जबकि खंडवा, खरगोन, बड़वानी और देवास के कई हिस्सों में भी या तो बहुत कम बारिश हुई या बिल्कुल नहीं हुई। बारिश न होने से देर से बुवाई का काम प्रभावित हुआ है और जो फसलें पहले ही बोई जा चुकी हैं, उनमें पानी की कमी बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि सोयाबीन, कपास और दालें उन फसलों में शामिल हैं जिन पर सूखे जैसे हालात का असर पड़ रहा है। सोयाबीन, जो अभी विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में है, उसे ठीक से बढ़ने के लिए पर्याप्त नमी की ज़रूरत होती है। किसानों को डर है कि सूखे जैसे हालात बने रहने से पौधों की बढ़त पर असर पड़ सकता है और पैदावार कम हो सकती है।

किसान बारिश का इंतज़ार कर रहे हैं

इस इलाके में 7 जुलाई से बारिश नहीं हुई है, जिससे फसलों की देर से बुवाई पर असर पड़ा है। जो खरीफ फसलें पहले ही बोई जा चुकी हैं, उन्हें अब पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों पर इसका अतिरिक्त बोझ भी पड़ रहा है क्योंकि उन्हें खेतों में सिंचाई करनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

नया विद्युत वितरण केंद्र भवन लोकार्पित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अंतर्गत झाबुआ जिले के काकनवानी में पच्चीस लाख रूपए की लागत से तैयार नए विद्युत वितरण केंद्र भवन का लोकार्पण गुरुवार को समारोहपूर्वक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान उपस्थित थी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी झाबुआ वृत्त के अधीक्षण यंत्री डीएस चौहान ने विद्युत उपभोक्ता सेवा, जिले में चल रहे नए कार्यों इत्यादि की जानकारी दी।

धार जिले के पीएम मित्र पार्क में 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित : मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गारमेंट सेक्टर में धार जिले का पीएम मित्रा पार्क देश का सबसे बड़ा मित्र पार्क है। इसमें 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित हो चुके हैं। यह एक उपलब्धि है। पारंपरिक वस्त्र निर्माण और कपास उद्योग कई दशकों से भारत की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2026 में टेक्सटाइल, गारमेंट और फुटवियर इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की संभावनाओं और क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 17 सितंबर 2025 को मध्यप्रदेश के धार को देश के पहले पीएम मित्र पार्क की सौगात दी। गारमेंट सेक्टर के इस पार्क के भूमि-पूजन के साथ ही यहां 90 प्रतिशत भू-खंडों का आवंटन भी पूरा कर लिया गया। यह एक रिकॉर्ड है और काम के प्रति राज्य सरकार की दक्षता प्रकट करती है।

रॉयल एनफील्ड ने 2026 क्लासिक 350 पेश की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मिड-साईज मोटरसाईकल सेगमेंट (250सीसी-750सीसी) में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने अपनी आईकोनिक क्लासिक 350 में राईडर पर केंद्रित दो फीचर पेश किए हैं, जिससे राईडिंग का अनुभव बेहतर होगा और मोटरसाईकल का टाईमलेस कैरेक्टर भी बरकरार रहेगा। हर राईड को ज्यादा आसान बनाने के लिए 2026 क्लासिक 350 में ज्यादा आसान क्लच एक्शन के लिए असिस्ट व स्लिपर क्लच दिया गया है, जिससे शहर की सड़कों पर और लंबी दूरी की राईड बहुत सरल बन जाती है।

कॉलेज के बाहर छात्राओं से अश्लील इशारे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कॉलेज परिसर और आसपास बढ़ रही असामाजिक गतिविधियों की शिकायत की तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई। छात्राओं का आरोप है कि कॉलेज के बाहर कुछ असामाजिक तत्व रोजाना उनका पीछा करते हैं, अभद्र टिप्पणियां करते हैं और अश्लील इशारों के जरिए उन्हें परेशान करते हैं।

800 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा 1600 बिस्तरों वाला सर्वसुविधायुक्त अस्पताल

40 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर होंगे स्थापित, संभागायुक्त ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय चिकित्सा संस्थानों में शामिल महाराजा यशवंतराव (एमवाय) चिकित्सालय में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नवीन 9 मंजिला अत्याधुनिक अस्पताल भवन का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। लगभग 800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला यह बहुमंजिला अस्पताल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने गुरुवार को निर्माणाधीन परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे मालवा-निमाड़ क्षेत्र के लाखों मरीजों को बेहतर और आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि नवीन अस्पताल भवन तीन ब्लॉकों—ए, बी और सी में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में सी-ब्लॉक के ए-ब्लॉक में प्रशासनिक कार्यालय निर्माण कार्य की शुरुआत हो चुकी है। इस ब्लॉक में अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण चिकित्सा विभाग स्थापित किए जाएंगे। पूरे अस्पताल परिसर में कुल 40 आधुनिक ऑपरेशन थिएटर विकसित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में 1600 बिस्तरों की क्षमता होगी। एवं ओपीडी संचालित होंगे, जबकि अन्य ब्लॉकों में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा विभागों की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह भवन आधुनिक चिकित्सा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 14 दिसंबर 2025 को महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि-पूजन किया था। मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा निर्मित किए जा रहे इस अत्याधुनिक अस्पताल में मेडिसिन, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, शिशु रोग एवं शिशु शल्य चिकित्सा, न्यूरो सर्जरी, नाक-कान-गला (ईएनटी), दंत रोग, त्वचा रोग, नेत्र रोग, मातृ एवं शिशु वार्ड तथा इमरजेंसी मेडिसिन सहित विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभाग विकसित किए जाएंगे।

अवैध कॉलोनियों और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें- कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों (टीएल) के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्थिति में नई अवैध कॉलोनियों की बसाहट न होने पाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा भी की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिक जवाब देकर प्रकरण बंद करने के बजाय आवेदकों की वास्तविक समस्या का समाधान किया जाए। जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें।

भाजपा सरकार को जगाने के लिए कांग्रेस ने मरीजों का इलाज कर किया नाटक का मंचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश प्रवक्ता अख्तर जावेद राजिक खान के नेतृत्व में आज जहां बीजेपी सरकार को जगाने के लिए इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा खजराना में अस्पताल जमीन पर खाली मैदान है एवं तलाई स्थित 100 बेंड के अस्पताल को लेकर अभियान की शुरूआत की गई साथ ही एक नाटक का मंचन भी अस्पताल की जमीन पर मरीजों का इलाज डमि डाक्टरों द्वारा किया गया एवं थाना खजराना में कागजों पर पिछले 6 साल से चल रहे अस्पताल के लापता या चोरी हो जाने कि लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई व ज्ञापन भी सौंपा।

डीएवीवी ने यूजी सप्लीमेंट्री परीक्षाएं एक माह पहले करने का फ़ैसला किया; 45,000 छात्र परीक्षा में शामिल हो सकते हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) इस साल अपनी अंडरग्रेजुएट सप्लीमेंट्री परीक्षाएँ सामान्य समय से लगभग एक महीना पहले आयोजित करेगा। ये परीक्षाएँ सितंबर के बजाय अगस्त के दूसरे हफ़्ते में शुरू होंगी।

इस बदले हुए शेड्यूल से उन हज़ारों छात्रों को फ़ायदा होने की उम्मीद है जो अपने पेपर पास करने के लिए दूसरे मौके का इंतज़ार कर रहे थे, खासकर उन्हें जिन्होंने पोस्टग्रेजुएट कोर्स में प्रोविज़नल एडमिशन ले लिया है। यह फैसला उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के बाद लिया गया है, जिसमें सभी राज्य विश्वविद्यालयों को अक्टूबर के आख़िरी हफ़्ते तक सप्लीमेंट्री परीक्षा के नतीजे घोषित करने का निर्देश दिया गया है। इस समय-सीमा को पूरा करने के लिए, डीएवीवी ने परीक्षाओं का शेड्यूल बदल दिया है और जल्द ही विस्तृत टाइम-टेबल जारी करेगा।

बीए, बीकाम, बीएससी, बीबीए और बीसी जैसे अंडरग्रेजुएट कोर्स में पढ़ रहे पहले से चौथे साल के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री परीक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। मई के आखिरी हफ़्ते में हुई यूनिवर्सिटी की अंडरग्रेजुएट मुख्य परीक्षाओं में लगभग तीन लाख छात्र शामिल हुए थे। डीएवीवी ने 45 दिनों के अंदर मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली और 30 जून तक दो दर्जन से ज़्यादा कोर्स के नतीजे घोषित कर दिए। लगभग 15 प्रतिशत छात्र, यानी करीब 45,000 उम्मीदवार, सप्लीमेंट्री कैटेगरी में रखे गए हैं और उनके परीक्षाओं में शामिल होने की उम्मीद है। छात्र अभी सप्लीमेंट्री परीक्षाओं के लिए आवेदन फॉर्म जमा कर रहे हैं, जबकि समय सीमा के बाद आवेदन करने वालों को लेट फीस देनी होगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशेष तिवारी ने कहा कि यूनिवर्सिटी तीसरे और चौथे साल की सप्लीमेंट्री परीक्षाओं के नतीजे घोषित करने को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा, 'कई छात्रों ने सप्लीमेंट्री पेपर होने के बावजूद पोस्टग्रेजुएट कोर्स में प्रोविजनल एडमिशन ले लिया है। हम सबसे पहले उनके नतीजे जारी करेंगे ताकि वे अक्टूबर तक अपने कॉलेजों में अपनी संशोधित मार्कशीट जमा कर सकें और अपने एडमिशन को रेगुलर करा सकें।'

टंट्याभील चौराहे पर 17 दिन से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अपनी मांगों को लेकर पिछले 17 दिनों से स्टूडेंट्स का समूह टंट्याभील चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहा है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती उनका ये धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं गुरुवार को एक स्टूडेंट ने एक दिन का अनशन भी किया। उसने ना तो खाना खाया ना ही पानी पीया। बता दें कि इन स्टूडेंट्स ने 14 जुलाई को टंट्याभील चौराहे से कलेक्टर ऑफिस तक पैदल मार्च निकाला था और यहां पर कई घंटे प्रदर्शन किया था। इसके बाद उनकी एक-दो मांगों को मान लिया गया था। इधर, स्टूडेंट्स अभी भी बची हुई मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे है।

सड़क पर सो रहे डॉग को कार ने कुचला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में सड़क पर सो रहे एक डॉग को कार से कुचलने का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद पीपुल्स फॉर एनिमल की इंदौर इकाई की शिकायत पर गुरुवार को पुलिस ने कार ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, वैभव नगर कनाड़िया निवासी प्रियांशु जैन की शिकायत पर कार के चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 14 जुलाई को त्रिवेणी कॉलोनी में सड़क पर सो रहे डॉग को कार चालक ने कुचल दिया। हादसे के बाद पीएफए के वालंटियर घायल डॉग को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे।

लक्ष्मीबाई नगर माल गोदाम रेलवे ओवरब्रिज का काम बंद, डिजाइन में बदलाव का इंतजार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डिजाइन को लेकर विवादों में आए लक्ष्मीबाई नगर माल गोदाम रेलवे ओवरब्रिज का काम बंद पड़ा है। पीडब्ल्यूडी अब इसकी डिजाइन में बदलाव करने में लगा है। इसे लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हो चुकी है, लेकिन मुख्यालय से डिजाइन फाइनल नहीं हुआ है।

यहां तक कि पीडब्ल्यूडी विभाग ने आईआईटी इंदौर के विशेषज्ञों की मदद ली है। आरओबी की डिजाइन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उसके बाद एजेंसी निर्माण शुरू कर सकती है। भागीरथपुरा और एमआर-4 से जोड़ने के लिए बन रहे रेलवे ओवरब्रिज के डिजाइन को लेकर बीते साल विवाद खड़ा हो गया है। करीब 1028 मीटर लंबे और 12 मीटर चौड़े इस ओवरब्रिज का निर्माण रेलवे और लोक निर्माण विभाग की देखरेख में किया जा रहा है। पुल के प्रस्तावित ढांचे में दो स्थानों पर लगभग 90 डिग्री के तीखे मोड़ होने की बात सामने आने के बाद विशेषज्ञों ने इसे लेकर चिंता जाहिर की। यह पुल ज़ेड आकार में डिजाइन किया गया है और इसकी तीन भुजाएं पोलो ग्राउंड, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन और भागीरथपुरा की ओर जाती हैं। डिजाइन में ऐसे मोड़ों पर भारी वाहनों को मोड़ना मुश्किल होगा, जिससे दुर्घटनाओं और यातायात जाम की स्थिति बन सकती है। मामले को गंभीरता से लेते पुल के नक्शे की समीक्षा की। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने डिजाइन में किसी भी खामी से इनकार किया है। पुल पर बनाए गए मोड़ पूरी तरह घुमावदार हैं और भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

मेरी खादी, मेरा गौरव' थीम पर खादी फैशन शो का भव्य आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान में ग्रामीण हॉट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, इंदौर में 'मेरी खादी, मेरा गौरव' थीम पर भव्य खादी फैशन शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खादी को आधुनिक जीवनशैली एवं फैशन से जोड़ते हुए युवाओं, महिलाओं एवं आमजन को स्वदेशी वस्त्रों के प्रति जागरूक करना तथा आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति के साथ हुआ। इसके पश्चात 21 प्रतिभागियों ने आकर्षक खादी परिधानों में रैंप पर आत्मविश्वासपूर्ण एवं मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने पारंपरिक और आधुनिक खादी परिधानों के सुंदर समन्वय का प्रदर्शन करते हुए यह संदेश दिया कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। फैशन शो में प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन प्रतिष्ठित फैशन विशेषज्ञ एवं निर्णायक सुश्री उन्नति सिंह द्वारा किया गया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति, निष्पक्ष निर्णायक भूमिका और प्रेरणादायी मार्गदर्शन ने आयोजन को नई ऊर्जा एवं पेशेवर उत्कृष्टता प्रदान की।

खजराना के 100-बेड सिविल अस्पताल के शीघ्र निर्माण को लेकर 'आप' ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आम आदमी पार्टी, इंदौर द्वारा आज खजराना में प्रस्तावित 100-बेड सिविल अस्पताल के शीघ्र निर्माण की मांग को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के नाम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), इंदौर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2020 में स्वीकृत 100-बेड सिविल अस्पताल का उद्देश्य खजराना, मुसाखेड़ी, तेजाजी नगर, बिचोली हाप्सी एवं आसपास के तीन लाख से अधिक नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा एम.वाई. अस्पताल, एम.टी.एच. अस्पताल एवं जिला अस्पताल पर बढ़ते मरीजों के दबाव को कम करना था। किंतु लगभग छह वर्ष बीत जाने के बाद भी अस्पताल के लिए न भूमि उपलब्ध हो सकी और न ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो पाया। परिणामस्वरूप क्षेत्र की लाखों जनता आज भी इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा से वंचित है। आम आदमी पार्टी ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि अस्पताल हेतु आवश्यक भूमि का तत्काल कब्ज़ा स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराया जाए।

हाईकोर्ट चौराहे का लेफ्ट टर्न एक सप्ताह में पूरा करने के दिए निर्देश

मास्टर प्लान सड़कों के धीमे काम पर आयुक्त की फटकार

एमआर-9, मालवीय नगर, एलआईजी लिंक रोड और छावनी क्षेत्र के काम देखे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में चल रहे मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण कार्यों को लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धीमी प्रगति पर निर्माण एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों को कडी फटकार लगाई तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल सहित निगम के अधिकारी और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आयुक्त ने एमआर-9 से मालवीय नगर होते हुए एलआईजी लिंक रोड तक निर्माणाधीन सड़क का जायजा लिया। चैंबर स्ट्रेंथनिंग और नर्मदा पाइपलाइन से जुड़े कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसी और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य तय समयसीमा में पूरा होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने सड़क के बीच से गुजर रही सीवर लाइन के बार-बार चोक होने की शिकायत की। इस पर आयुक्त ने संबंधित उपयंत्री विशाल राठौर और जोनल अमले को मौके पर मौजूद रहकर पूरी सीवर लाइन और चैंबर की तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही ठेकेदार को चेतावनी दी कि निर्माण सामग्री किसी भी स्थिति में चैंबर में नहीं जानी चाहिए, क्योंकि इससे सीवर लाइन बार-बार बाधित हो रही है। इसके बाद आयुक्त ने मधु मिलन चौराहा से छावनी चौराहा तक मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया और लक्ष्मीनारायण दूधवाला चौराहा से छावनी चौराहा तक सड़क निर्माण तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

व्यापारी एसोसिएशन ने समस्या हल करने दी जमीन

उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट चौराहा शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल है। यहां लेफ्ट टर्न संकरा होने के कारण लंबे समय से जाम की समस्या बनी रहती थी। इस समस्या के समाधान के लिए सीटी सेंटर व्यापारिक एसोसिएशन ने आगे आकर निगम को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराई, जिसके बाद लेफ्ट टर्न चौड़ीकरण का कार्य संभव हो सका। निगम का मानना है कि इसके पूरा होने के बाद इस क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पहले से अधिक सुगम होगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 17 जुलाई 2026

न्यूज ब्रीफ

किरीट भाई के साथ मालवा अंचल के भक्त जाल सभागृह में मनाएंगे गुरू पूर्णिमा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रख्यात संत, ब्रह्मऋषि किरीट भाई इस बार शुक्रवार, 24 जुलाई को अपने शिष्यों और भक्तों के साथ गुरू पूर्णिमा महोत्सव मनाने के लिए इंदौर आएंगे। वे साऊथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक तुलसी परिवार के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में भक्तों और शिष्यों को आशीर्वचन देंगे, उनकी आध्यात्मिक जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे और ठाकुरजी का पूजन भी करेंगे। तुलसी परिवार के प्रमुख, कार्यक्रम संयोजक संजय सोनी, राजेश नेमा एवं मीतेश जोशी ने बताया कि भाई ने गुरूपूर्णिमा के उपलक्ष्य में अपनी कृपा वर्षा यात्रा गत इस बार गत 11 जुलाई को दिल्ली से प्रारंभ की है। वे देश के प्रमुख शहरों के भक्तों और शिष्यों को दर्शन देने के बाद 24 जुलाई शुक्रवार को इंदौर पहुंचेंगे और सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक जाल सभागृह में आयोजित महोत्सव में अपने भक्तों और शिष्यों पर कृपा वर्षा करेंगे।

मन को शुद्ध एवं निर्मल बनाने का मन्त्र है भागवत - स्वामी प्रणवानंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमारे विचार शुद्ध होंगे तो कर्म भी श्रेष्ठ बनेंगे। कर्म से ही हमारा स्वभाव और स्वभाव से ही श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण होगा। चरित्र से ही प्रारब्ध बनता है। भागवत ग्रन्थ सनातन और हिंदू धर्मावलंबियों के लिए प्राण तत्व एवं आचार संहिता है। बार-बार भागवत कथा श्रवण से हमारे मन मस्तिष्क पर श्रेष्ठ विचारों की छाप उसी तरह बन जाती है, जिस तरह कुए के पत्थर पर रस्सी के निशान। भागवत तो देवताओं के लिए भी दुर्लभ कथा है। भागवत कथा मन को शुद्ध एवं निर्मल बनाने का मंत्र है। ये प्रेरक विचार हैं वृन्दावन के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती के, जो उन्होंने मनोरमागंज स्थित गीता भवन में भक्त मंडल एवं अखंड प्रणव योग वेदांत पारमार्थिक न्यास के तत्वावधान में गुरुवार से प्रारम्भ हुए भागवत ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए।

जुम्मे की नमाज और बजरंग दल की 'चलो भोजशाला' यात्रा के बीच प्रशासन अलर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के 14 जुलाई के अंतरिम आदेश के बाद आज होने वाली जुम्मे की नमाज को लेकर संशय बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को मुस्लिम समाज के लिए भोजशाला के पास किसी खाली वैकल्पिक स्थान पर जुम्मे की नमाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अभी तक न्यायालय का विस्तृत आदेश प्रशासन को नहीं मिला है। इसी वजह से किसी वैकल्पिक स्थान की आधिकारिक घोषणा भी नहीं की गई है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने बताया कि अभी तक सुप्रीम कोर्ट का विस्तृत आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश मिलने के बाद उसका अध्ययन किया जाएगा और उसी के अनुरूप आगे की प्रशासनिक कार्रवाई तथा आवश्यक व्यवस्थाएं तय की जाएंगी।

मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों का भी कहना है कि उन्हें अभी तक न्यायालय का विस्तृत आदेश नहीं मिला है। आदेश मिलने के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बजरंग दल निकालेगा 'चलो भोजशाला' यात्रा

शुक्रवार को राष्ट्रीय बजरंग दल की ओर से धार के किला मैदान से 'चलो भोजशाला' यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के महंत ओमप्रकाश भारती और प्रांत महामंत्री किशोर यादव होंगे। यात्रा किला मैदान से शुरू होकर भोजशाला पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे।

मुस्लिम समाज के सदर अब्दुल समद ने कहा कि अभी तक सुप्रीम कोर्ट का विस्तृत आदेश अपलोड नहीं हुआ है। यदि आदेश अपलोड नहीं होता है तो फिलहाल पिछले दो माह से चली आ रही अस्थायी व्यवस्था के अनुसार शहर की मस्जिदों में ही जुम्मे की नमाज अदा की जाएगी।'

उन्होंने कहा, 'शुक्रवार तक सुप्रीम कोर्ट का आदेश आ जाता है तो मुस्लिम समाज की बैठक कर आगे का निर्णय लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में भोजशाला के पास खुले स्थान पर जुम्मे की नमाज की व्यवस्था का कहा गया है। मुख्य द्वार के सामने खुला स्थान उपलब्ध है और यदि आदेश आता है तो वहीं जुम्मे की नमाज अदा की जाएगी। अब्दुल समद ने कहा कि 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर प्रशासन द्वारा जिस स्थान पर जुम्मे की डमी नमाज कराई गई थी, वह कब्रिस्तान की भूमि है। उस समय भी मुस्लिम समाज ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई थी। आसपास का पूरा क्षेत्र कब्रिस्तान है और कब्रिस्तान में जुम्मे की नमाज अदा नहीं की जाती। इस संबंध में हमारा पक्ष सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी रखा गया है। उन्होंने आगे कहा, यदि शुक्रवार तक आदेश प्राप्त नहीं होता है तो इस शुक्रवार मस्जिदों में ही जुम्मे की नमाज अदा की जाएगी। आदेश आने के बाद अगले शुक्रवार से न्यायालय के निर्देशों के अनुसार आगे की व्यवस्था की जाएगी। अंतरिम आदेश में नमाजियों की संख्या को लेकर कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। मुस्लिम समाज जिलेभर के लोगों से जुम्मे की नमाज में शामिल होने का आह्वान करेगा। धार शहर में ही करीब 10 हजार मुस्लिम हैं और जिलेभर से भी लोग नमाज अदा करने पहुंच सकते हैं।

जगन्नाथ रथयात्रा, डीजे की जगह संकीर्तन, भक्तों ने बुहारा मार्ग और खींचा रथ

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● गुरुवार को पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। शाम 5 बजे जगदीश मंदिर में विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने आरती की। इसके बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले। यात्रा का फूलों से स्वागत किया गया। इस रथयात्रा की मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें डीजे का उपयोग नहीं किया गया। इसके बजाय, मधुर ध्वनि में 'हरे राम हरे कृष्ण' का अखंड जाप और संकीर्तन किया गया। सभी वर्गों के भक्त भगवान के रथ को खींचने और उसकी रस्सी को छूने के लिए उत्सुक दिखे। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक झाड़ू से रथ के मार्ग की सफाई की। बीसा नीमा महाजन समाज सहित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने रथयात्रा का स्वागत किया। रथयात्रा से पहले, सुबह 9 बजे पं. हरिनारायण शास्त्री के आचार्यत्व में पं. गोरेलाल सोहनी और अन्य ब्राह्मणों ने भगवान का पूजन, पंचामृत अभिषेक और महाआरती की। देर शाम यात्रा के समापन पर महाआरती के बाद केसरिया भात महाप्रसादी का वितरण किया गया। जगदीश मंदिर का इतिहास 125 साल पुराना है। बताया जाता है कि भगवान जगन्नाथ के उपासक एक ब्राह्मण दंपती ने पुरी जाकर भगवान की लकड़ी से बनी छोटी प्रतिमा और छायाचित्र लाकर अपने घर में स्थापित कर पूजन शुरू किया था।

वैश्य महासम्मेलन द्वारा विधवा, विधुर, तलाकशुदा व प्रौढ़ प्रत्याशियों का परिचय सम्मेलन 27 सित. को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र वैश्य महासम्मेलन द्वारा शहर में दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर 25 से अधिक घटक समाजों के विधवा, विधुर, तलाकशुदा, दिव्यांग और 32 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्याशियों के लिए आगामी 27 सितम्बर को रवीन्द्र नाट्य गृह में अनूठा परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें अब तक 532 प्रविष्ठियां ऑनलाइन एवं संगठन के एप के माध्यम से प्राप्त हो चुकी हैं। परिचय सम्मेलन के लिए देश के 200 से अधिक शहरों में वैश्य महासम्मेलन के कार्यालयों एवं अन्य सहयोगी संगठनों के केन्द्रों पर प्रविष्ठी फॉर्म भेजे गए हैं। मप्र वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अरविन्द बागड़ी, नगर अध्यक्ष अशोक खंडेलवाल, सम्मेलन संयोजक राजेश गर्ग एवं शिव जिन्दल ने बताया कि वैश्य समाज के घटकों में विवाह की बढती उम्र के साथ ही तलाक के मामलों की बढती संख्या भी पालकों के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है। वरिष्ठ समाजसेवी और मप्र वैश्य कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में अब संगठन द्वारा दूसरी बार यह पहल की जा रही है, ताकि वैश्य घटकों के प्रत्याशियों की बढती उम्र, पारिवारिक विवादों एवं तलाक के बढ़ते मामलों की स्थिति से राहत मिल सके। परिचय सम्मेलन के लिए वरिष्ठ समाजसेवी विनोद अग्रवाल (एमराल्ड समूह), प्रेमचंद गोयल एवं दिनेश मित्तल के मार्गदर्शन में नियमित बैठकों का सिलसिला 20 जुलाई से प्रारम्भ कर दिया जाएगा। संगठन के मार्गदर्शक राजेश चेलावत, परामर्शदाता धीरज खंडेलवाल एवं अन्य पदाधिकारियों के निर्देशन में इस परिचय सम्मेलन की व्यापक तैयारियां प्रारम्भ हो चुकी हैं। शुक्रवार 17 जुलाई को प्रविष्ठी फॉर्म का विमोचन होगा। इसके अलावा एक परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है जिसमें सभी प्रत्याशियों के सचित्र विवरण और उनकी पसंद के बारे में भी जानकारी उपलब्ध रहेगी।

'जय अग्रसेन खाटू श्यामजी पैनल' के सभी उम्मीदवारों का आत्मीय स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन और कुलदेवी महालक्ष्मी के आदर्श सिद्धांतों के अनुरूप 'जय अग्रसेन खाटू श्यामजी पैनल' ने समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मीय सम्मान, सहयोग और सेवा भावना के साथ जोड़ने और अंतिम छोर के समाज बंधु तक हरसंभव मदद पहुँचाने के संकल्प के साथ अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव में उतरने का संकल्प लिया है। समाज बंधुओं को पहचानना होगा कि समाज की गरिमा और प्रतिष्ठा को किन लोगों ने आघात पहुँचाया है और कौन लोग समर्पित एवं निस्वार्थ भाव से समाज को नई पहचान दिलाकर देश में सेवा की नई ईबारत लिखने में सक्षम हैं।

यह बात गुरुवार को 'जय अग्रसेन खाटू श्यामजी पैनल' के उम्मीदवारों ने हाईवे क्षेत्र पालदा स्थित विभिन्न कॉलोनियों में पहुंचकर सघन जनसंपर्क के दौरान अनेक बैठकों और चर्चाओं के दौरान कही। उनके साथ केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष अरविन्द बागड़ी, गोविन्द मोरनी, दिलीप अग्रवाल, मनीष सिंघल, खेमचंद अग्रवाल, संजय बेसन, राजेश गोयल, सतीश गोयल, अनिल अग्रवाल, संदीप ऑटो सहित सभी कॉलोनियों के प्रमुख बंधु उपस्थित थे। पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्याम सुन्दर गोयल (संजय गोयल अनाज मंडी),

महामंत्री नवीन बागड़ी, संयोजक राजेश इंजीनियर, सहसंयोजक रीतेश मित्तल बारदान एवं कोषाध्यक्ष प्रयोग गर्ग, पुरुष उपाध्यक्ष दिनेश बंसल जूनी इंदौर, महिला उपाध्यक्ष पिंकी रवि अग्रवाल, सहमंत्री अंकित अग्रवाल काका तथा कार्यकारिणी के लिए मैदान में उतरे अजय मंगल, अमित अग्रवाल चाय, जयंत अग्रवाल महू, राजेंद्र अग्रवाल टीटू, रत्नेश गोयल, रीतेश राजवंशी, सचिन अग्रवाल फायर, संजय बद्रुका, सुनील अग्रवाल भांगघोटा एवं महिला कार्यकारिणी की दावेदार किरण गयाप्रसाद तायल, संगीता मनोज गुप्ता एवं शीतल रवि अग्रवाल ने इस दौरान समाज बंधुओं का आशीर्वाद, स्नेह और समर्थन प्राप्त किया। पालदा स्थित वरुण विक्ट्री, अम्पायर, शुभ सिटी, संस्कार सरोवर एवं हाईवे क्षेत्र की लगभग सभी कॉलोनियों के समाज बंधुओं ने पैनल के सभी उम्मीदवारों का आत्मीय स्वागत कर अपना भरपूर समर्थन देने का संकल्प व्यक्त किया।

गुप्त नवरात्रि पर श्री आनंद धाम में बगलामुखी महाविद्या महायज्ञ 19 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गुप्त नवरात्रि पर्व के अवसर पर ब्राह्मण खेड़ी स्थित श्री आनंद धाम आश्रम में 19 जुलाई को मां बगलामुखी महाविद्या का महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। आयोजन गुरुदेव श्री विवेक महाराज के मार्गदर्शन में विद्वान आचार्यों द्वारा संपन्न कराया जाएगा।

आश्रम के मीडिया प्रभारी अंकुश झवर व सिद्धार्थ वर्वे ने बताया कि 19 जुलाई रविवार को आश्रम में सुबह मां बगलामुखी के पूजन अर्चन के साथ आयोजन की शुरुआत होगी। राष्ट्र कल्याण, विश्व शांति एवं जन-जन के सुख-समृद्धि की कामना के साथ मां बगलामुखी की आराधना होगी ।

101 दंपती मां बगलामुखी महाविद्या के 36 अक्षरी महामंत्र के साथ वैदिक विधि-विधान से आहुतियां देंगे।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा झूमे श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव ● गुरुवार को इस्कॉन के श्री श्री राधा ब्रजसुंदर मंदिर द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी की रथयात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मार्ग पर 'जय जगन्नाथ' के जयघोष और हरिनाम संकीर्तन गूंजते रहे। रथयात्रा का शुभारंभ थाना परिसर के समीप से हुआ। यह यात्रा चमन चौक, शारदा जनरल स्टोर, प्राचीन राम मंदिर, चौपाटी, अटल चौक, पटेल चौक, जियाजी चौक, मेघनाथ चौक और यादव मोहल्ला से होते हुए श्री राधा कृष्ण मंदिर पहुंची। यात्रा का समापन इंद्रप्रस्थ गार्डन में महाआरती और महाप्रसाद वितरण के साथ किया गया।

रथ पर विराजमान भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी के दर्शन के लिए मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कई श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक रथ की रस्सी खींची। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। रथयात्रा के दौरान हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन और नृत्य की प्रस्तुतियां

दी गईं। इस आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भाग लिया। यात्रा के अंत में सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देना है। इस दौरान धार्मिक माहौल बना रहा।

शासकीय शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार का जन्मदिन मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परमार का जन्मदिन शिक्षकों ने हर्ष उल्लास के साथ मनाया। परमार के जन्मदिन पर शिक्षकों ने उनके स्वस्थ व दीर्घायु होने की मंगल कामना करते हुए बधाई दी।इस अवसर पर भूषण सराफ,जीतेन्द्र परमार,शिक्षक ज्योति रोड़े, प्राची गुप्ता, गीता भदौरिया, राकेश गेहलोद, सुशील बिलवाल, अखिलेश पंवार, प्रीति बुखारिया जैन, सुरक्षा मिश्रा, शिल्पा जोशी, मनीषा व्यास, मनीषा जैन, कविता टाटावत, भारती सिंह, स्मिता तपासे, मीता शर्मा, सीमा जैन, पूनम शर्मा, सारिका सोलंकी आदि उपस्थित थे।

अधूरी पड़ी 27 किमी सड़क, एक साल से निर्माण ठप

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले में नागदा से बरमंडल तक 27 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़क का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा पूरी होने से मात्र 15 दिन पहले भी अधूरा है। निर्माण की धीमी गति के कारण अब तक 10 किलोमीटर मार्ग पर भी डामरीकरण पूरा नहीं हो सका है। पिछले एक वर्ष से यह परियोजना ठप पड़ी है, जिससे बारिश के मौसम में वाहन चालकों और राहगीरों को खराब सड़क पर यात्रा करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरमंडल से चिराखान तक लगभग 7 किलोमीटर सड़क का डामर करीब छह माह पहले उखाड़ दिया गया था। शिकायतों के बाद इसे समतल किया गया, लेकिन केबल डालने के लिए फिर से खुदाई कर दी गई। लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़क एक से दो फीट तक धंस गई है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इस हिस्से में कई पुल-पुलियाओं का निर्माण भी अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। चिराखान से कड़ोदकला के बीच लगभग 10 किलोमीटर मार्ग पर केवल मिट्टी का काम (अर्थवर्क) और कुछ पुल-पुलियाओं का निर्माण हुआ है। एक-दो पुल अभी भी निर्माणाधीन हैं, जबकि कई स्थानों पर गिट्टी के ढेर पड़े हैं। वर्तमान में इस हिस्से पर भी निर्माण कार्य पूरी तरह से रुका हुआ है। वहीं, कड़ोदकला से नागदा तक करीब 10 किलोमीटर मार्ग पर निर्माण कार्य सबसे पहले शुरू हुआ था। कुछ गांवों में सीमेंट की सड़कें बन चुकी हैं, जबकि लगभग 6 किलोमीटर हिस्से में ही डामरीकरण हो पाया है। विभाग ने इस संबंध में कहा है कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

रूसी तेल पर सौ फीसद शुल्क का दांव: भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मंडराता खतरा

रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत सहित पांच देशों पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर संकट के बादल। एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा? गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है। हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है! ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है। अब नाहक शुल्क लगाने की नीति से भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। सवाल है कि अमेरिका की लगातार मनमानी से दुनिया प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगी या पीछे चली जाएगी और इसका खुद अमेरिका पर कैसा असर पड़ेगा?

एक साल में 180000 मौत, मानवीय लापरवाही से उपजी राष्ट्रीय त्रासदी

सड़क पर बहता रक्त केवल दुर्घटना नहीं, हमारे राष्ट्रीय चरित्र का आईना है

भारत में सड़क दुर्घटनाएँ अब समाचार नहीं रहीं, वे हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का दैनिक दस्तावेज़ बन चुकी हैं। हर सुबह अख़बार के किसी कोने में छपी कुछ पंक्तियाँ बताती हैं कि कहीं एक बस पलट गई, कहीं तेज़ रफ़्तार कार ने परिवार को कुचल दिया, कहीं एक युवक हेलमेट न पहनने की कीमत अपनी जान देकर चुका गया। हम कुछ क्षण दुख व्यक्त करते हैं, फिर अगली ख़बर पढ़ने लगते हैं। शायद इसलिए कि मरने वाला हमारा अपना नहीं था। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या सचमुच वह हमारा अपना नहीं था?

जब किसी सड़क पर एक नागरिक की मृत्यु होती है, तब केवल एक जीवन समाप्त नहीं होता; एक परिवार का भविष्य बिखर जाता है, बच्चों के सपने अनाथ हो जाते हैं और राष्ट्र अपनी उत्पादक शक्ति का एक और हिस्सा खो देता है। इसलिए सड़क दुर्घटना को केवल 'एक्सीडेंट' कहना उसके सामाजिक और नैतिक अर्थ को छोटा कर देना है। यह वस्तुत: हमारे नागरिक चरित्र की विफलता है।

विडंबना देखिए—हम चंद्रमा पर पहुँचने वाले राष्ट्र हैं, डिजिटल क्रांति के अगुआ हैं, विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाते हैं, लेकिन अपनी ही सड़कों पर प्रतिवर्ष लाखों नागरिकों को सुरक्षित नहीं रख पा रहे। आधुनिक राजमार्ग बनाना विकास है, पर उन पर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना सभ्यता है। विकास बिना सभ्यता के अधूरा है। सरकारी आँकड़े वर्षों से एक ही कठोर सत्य दोहरा रहे हैं—अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं के पीछे सड़कें नहीं, बल्कि मनुष्य है। तेज़ रफ़्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग, लालबत्ती तोड़ना, शराब के नशे में वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी—ये सब किसी तकनीकी विफलता के नहीं, बल्कि मानसिक अनुशासन के अभाव के प्रमाण हैं।

यानी हमारी सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक नहीं, चरित्र है। हमने कानूनों का सम्मान करना नहीं सीखा; हमने केवल दंड से बचना सीखा है। जहाँ कैमरा दिखाई देता है वहाँ गति धीमी हो जाती है, जहाँ पुलिसकर्मी खड़ा हो वहाँ हेलमेट सिर पर आ जाता है। लेकिन जैसे ही निगरानी समाप्त होती है, नियम भी समाप्त हो जाते हैं। यह कानून पालन नहीं, अवसरवाद है। किसी भी विकसित समाज की पहचान ऊँची इमारतों या चौड़ी सड़कों से नहीं होती। उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहाँ नागरिक बिना किसी निगरानी के भी नियमों का पालन करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि कानून का उद्देश्य सरकार की प्रतिष्ठा नहीं, मानव जीवन की रक्षा है।

दुखद यह है कि हमने यातायात नियमों को नैतिकता का नहीं, सुविधा का विषय बना दिया है। हम लालबत्ती को सुझाव समझते हैं, गति सीमा को चुनौती और गलत दिशा को शॉर्टकट। हम भूल जाते हैं कि सड़क पर हमारा हर निर्णय किसी अजनबी के जीवन और मृत्यु का कारण बन सकता है।

सड़क सुरक्षा का प्रश्न पुलिस, परिवहन विभाग या न्यायालय का अकेला विषय नहीं है। यह परिवार, विद्यालय, मीडिया, उद्योग, धार्मिक संस्थाओं और नागरिक समाज—सभी की साझा जिम्मेदारी है। जिस प्रकार स्वच्छता केवल नगर निगम के भरोसे नहीं आई, उसी प्रकार सड़क सुरक्षा भी केवल चालानों से नहीं आएगी। इसके लिए सामाजिक चेतना, नैतिक शिक्षा और नागरिक उत्तरदायित्व का वातावरण बनाना होगा। हमें अपने बच्चों को केवल वाहन चलाना नहीं, सड़क पर जीवन का सम्मान करना भी सिखाना होगा। माता-पिता यदि नाबालिग बच्चों को वाहन सौंपते हैं, मित्र यदि मित्र की लापरवाही पर चुप रहते हैं और समाज यदि नियम तोड़ने वाले को 'स्मार्ट' समझता है, तो दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी केवल चालक की नहीं, पूरे समाज की है।

समय आ गया है कि सड़क सुरक्षा को राष्ट्रीय चरित्र निर्माण के अभियान के रूप में देखा जाए। जिस दिन हेलमेट पुलिस के डर से नहीं, परिवार के प्रेम के कारण पहना जाएगा; जिस दिन लालबत्ती कानून नहीं, जीवन का सम्मान प्रतीत होगी; जिस दिन गलत दिशा में वाहन चलाना सामाजिक शर्म का विषय बन जाएगा—उसी दिन भारत की सड़कें वास्तव में सुरक्षित होंगी।

राष्ट्र केवल संसद, सरकार और संविधान से नहीं बनता; राष्ट्र अपने नागरिकों की दैनिक आदतों से बनता है। सड़क पर हमारा व्यवहार भी राष्ट्र निर्माण का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है जितना मतदान करना, कर देना या संविधान का सम्मान करना।

शायद अब समय आ गया है कि हम सड़क दुर्घटनाओं को 'दुर्भाग्य' कहना बंद करें और उन्हें उसी नाम से पुकारें जिसके वे वास्तव में पात्र हैं—मानवीय लापरवाही से जन्मी राष्ट्रीय त्रासदी।

यदि हम अपने राष्ट्रीय चरित्र में अनुशासन, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व को स्थान नहीं देंगे, तो हमारी सड़कों पर बहता रक्त विकास की हर उपलब्धि पर प्रश्नचिह्न बनकर उभरता रहेगा।

क्योंकि अंतत: किसी राष्ट्र की महानता उसकी सड़कों की चौड़ाई से नहीं, उन सड़कों पर सुरक्षित घर लौटने वाले नागरिकों की संख्या से मापी जाती है।

– **राजकुमार जैन,**
यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

सोशल मीडिया से छिन्न-भिन्न होता बचपन का भोलापन और सामाजिक रिश्ते

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हमें बहुत सारी सुविधाएं तो प्रदान की है किंतु बच्चों की मासूमियत और सामाजिक पारिवारिक रिश्तों को छिन्न- भिन्न कर दिया है। वर्तमान समय में तीन वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या के कारण बच्चों को चुप कराने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। धीरे-धीरे यही मोबाइल उसका सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह बाहर खेलने की अपेक्षा स्क्रीन पर कार्टून, वीडियो और गेम में अधिक आनंद लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित होने लगता है। सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी बदल दिया है। अब वे वास्तविक जीवन की बजाय आभासी दुनिया में अधिक समय बिताते हैं। वहाँ दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा और त्वरित प्रसिद्धि की संस्कृति उनके मन में अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करती है। कम उम्र में ही वे लाइक्स, फॉलोअर्स और लोकप्रियता की दौड़ में शामिल हो जाते हैं। बचपन की सहज मुस्कान धीरे-धीरे कृत्रिम अभिव्यक्ति में बदलने लगती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ लगातार कम होती जा रही हैं। पहले बच्चे घंटों मैदान में दौड़ते थे, जिससे उनका शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता था। बच्चों का साइकिल चलाना छूट गया है आज अधिकांश बच्चे घंटों मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर के सामने बैठे रहते हैं। इसका परिणाम मोटापा, आँखों की कमजोरी, गर्दन और रीढ़ की समस्याएँ तथा मानसिक तनाव के रूप में सामने आ रहा है। चिकित्सकों का मानना है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की नींद, स्मरण शक्ति और एकाग्रता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि युवा, अभिभावक और यहाँ तक कि सत्तर वर्ष के बुजुर्ग भी इंटरनेट और सोशल मीडिया के मायाजाल में उलझे दिखाई देते हैं। परिवार एक ही छत के नीचे रहते हुए भी मानसिक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। पहले भोजन के समय परिवार में बातचीत होती थी, अब अधिकांश लोग मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। रिश्तों की आत्मीयता धीरे-धीरे डिजिटल संदेशों तक सीमित होती जा रही है।

भारत की पारंपरिक खेल संस्कृति भी इस बदलाव का शिकार हुई है। गुल्ली-डंडा, लंगड़ी, कबड्डी और खो-खो जैसे खेल केवल खेल नहीं थे, बल्कि सहयोग, अनुशासन, साहस और मित्रता का प्रशिक्षण भी थे। कैरम और शतरंज बच्चों में धैर्य और रणनीतिक सोच विकसित करते थे। आज इनकी जगह ऑनलाइन गेम्स ने ले ली है, जिनमें कई बार हिंसा, आक्रामकता और आभासी प्रतिस्पर्धा अधिक दिखाई देती है। सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग बच्चों के नैतिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक सामग्री उनकी आयु के अनुरूप नहीं होती। बिना निगरानी के वे ऐसे वीडियो, भाषा और विचारों के संपर्क में आ सकते हैं, जो उनकी मासूम मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ बच्चों के लिए अभिभावकीय निगरानी और संतुलित डिजिटल उपयोग पर विशेष बल देते हैं। मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी ही तेजी से जीवन की सहजता और मानवीय संवेदनाएँ भी प्रभावित हुई हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संसार को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है। ज्ञान, शिक्षा, संचार और मनोरंजन के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। लेकिन हर सुविधा का दूसरा पक्ष भी होता है। इंटरनेट का वही संसार, जिसने मनुष्य के जीवन को सरल बनाया, आज बच्चों के बचपन और उनकी मासूमियत पर सबसे बड़ा संकट बनकर उभर रहा है।

– **संजीव ठाकुर,** लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ

आंचलिक

12 वर्षीय बालिका की हत्या के आरोपी जीजा को महाराष्ट्र से किया गिरफ्तार

गुजरात से पीछा करते हुए शाहदा महाराष्ट्र में घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

12 जुलाई को ग्राम रिसावला, थाना बाग निवासी 12 वर्षीय नाबालिग बालिका के घर से लापता होने की सूचना प्राप्त हुई। परिजनों द्वारा बालिका के रिश्तेदार पर उसे बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका व्यक्त करने पर थाना बाग में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। तलाशी के दौरान बालिका का शव पाडलिया घाटी स्थित वन विभाग के कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। घटना की गंभीरता को देखते हुए मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की गई तथा साक्ष्यों के आधार पर हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई।

पुलिस कार्यवाही - घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक हिरुसिंह रावत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी रिश्तेदार ने फरवरी में इंस्टाग्राम के माध्यम से मृतिका की बड़ी बहन से प्रेम संबंध स्थापित कर विवाह किया था। बाद में पारिवारिक विवाद एवं संबंध विच्छेद की बात से नाराज होकर आरोपी ने अपनी 12 वर्षीय साली को जान से मारने की नीयत से जंगल में स्थित कुएं में धक्का देकर उसकी हत्या कर दी तथा घटनास्थल से भागकर बस

के माध्यम से गुजरात फरार हो गया। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना एवं लगातार पीछा करते हुए पुलिस टीम पहले गुजरात पहुँची, जहाँ से आरोपी के महाराष्ट्र भागने की जानकारी मिली। इसके बाद दूसरी पुलिस टीम ने शाहदा महाराष्ट्र में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर 16 जुलाई को माननीय न्यायालय कुक्षी के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

आपराधिक रिकॉर्ड -आरोपी के विरुद्ध थाना बाग में हत्या के प्रकरण में वैधानिक कार्यवाही की गई है। प्रकरण में विवेचना जारी है तथा आवश्यकतानुसार अन्य धाराओं का समावेश किया जाएगा।

8 लाख प्रति टावर और फसल मुआवजे की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ●खेतों में हाईटेंशन बिजली लाइन के टावर लगाने के बदले सही मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को भी जारी रहा। आंदोलन के बढ़ते असर को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक सचिन बिरला एक बार फिर किसानों के बीच पहुंचे और उनकी बात सुनी। किसानों ने विधायक को अपनी मांगों का एक पत्र सौंपा। विधायक सचिन बिरला ने धरना स्थल पर मौजूद बिजली कंपनी और मध्य प्रदेश ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के अफसरों के साथ मुआवजे को लेकर लंबी चर्चा की। विधायक ने बताया कि किसानों की मांगें बिल्कुल सही हैं। विधायक सचिन बिरला ने किसानों को भरोसा दिलाया कि मुआवजे की

जायज मांगों का पूरा प्रस्ताव बनाकर बड़े सरकारी अफसरों को भेज दिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस समस्या का जल्द ही कोई अच्छा हल निकलेगा।

बिरला ने कहा कि किसानों को टावर और फसल के नुकसान का पूरा पैसा मिलना ही चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुआवजा बांटने में जो भी कमियां या गड़बड़ियां हुई हैं, उनसे मुख्यमंत्री को खुद मिलकर बताया जाएगा और टावर लगाने वाली निजी कंपनी के कामकाज की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। दूसरी तरफ, किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। उनका साफ कहना है कि खेतों में हाईटेंशन लाइन के टावर खड़े होने से उनकी कीमती खेती की जमीन का एक बड़ा हिस्सा हमेशा के लिए बर्बाद और बेकार हो गया है। इसके कारण उन्हें आगे भी खेती करने में बहुत परेशानी आएगी। किसानों ने चेतावनी दी है कि जब तक टावर पीड़ित किसानों को मांग के मुताबिक पूरा मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक बिजली ग्रिड पर यह धरना और प्रदर्शन लगातार चलता रहेगा।

खेल प्रतिभाओं को संवारने की दिशा में जिला प्रशासन की सराहनीय पहल

राष्ट्रीय स्तर पर चमके नन्हें शटलर इश्मित अरोरा

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज नन्हें शटलर इश्मित अरोरा को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। अंडर-13 ऑल इंडिया बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता इश्मित को यह राशि सीआरएस फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है, ताकि उन्हें बेहतर खेल सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ना जरूरी: कलेक्टर

इस अवसर पर कलेक्टर मीना ने कहा कि खिलाड़ियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन में उनके पालकों का अहम योगदान होता है। उचित प्रोत्साहन से ही खिलाड़ी आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा में निखार लाते हैं। उन्होंने इश्मित के स्पष्ट लक्ष्य और

उसकी निरंतर मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इश्मित निश्चित ही भविष्य में और ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। साथ ही, उन्होंने धार में खेल संस्थाओं द्वारा खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की भी सराहना की। इस अवसर पर इश्मित अरोरा के माता-पिता श्रीमती शिखा अरोरा एवं लक्की अरोरा, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. छोटू शास्त्री, धार लिटिल शटलर वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शरदचंद्र निगम और जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव सलीम खान उपस्थित थे। इस दौरान बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नन्हें शटलर को प्रोत्साहित करने के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

मोबाइल टॉवर में लगी आग, 100 बैटरियां जलकर खाक

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के गोगांवा में एक निजी टेलीकॉम कंपनी के मोबाइल टॉवर में आग लग गई। यह घटना घनी आबादी वाले क्षेत्र में हुई, जहां टॉवर की बेस टर्मिनल यूनिट में आग लगने से करीब 100 बैटरियां जलकर खाक हो गईं। गनीमत रही कि बैटरियों में विस्फोट नहीं हुआ, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना बुधवार देर शाम मठ चौक स्थित एक्सेंट टेलीकॉम कंपनी के टॉवर पर हुई। आग लगने के बाद टॉवर से 50 फीट ऊंचे धुएं के गुबार उठने लगे, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह टॉवर एक निजी प्लॉट पर संचालित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में टॉवर लगाने का पहले भी विरोध किया गया था। आग लगने के समय मौके पर आग बुझाने के कोई उपकरण उपलब्ध नहीं थे। सूचना मिलने पर गोगांवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर कंट्रोल रूम को सूचित किया। थाना प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। खरगोन से दमकल बुलाकर आग पर काबू पाया गया।

रिकॉर्ड में 1102 बैग यूरिया, दुकान में एक भी नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा जिले में उर्वरक की कालाबाजारी और अनियमित बिक्री के खिलाफ कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। पंधाना तहसील के रुस्तमपुर स्थित मेसर्स प्रेरणा कृषि सेवा केंद्र के संचालक के खिलाफ उर्वरक विक्रय और भंडारण में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर पंधाना थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उप संचालक (कृषि) नितेश यादव ने बताया कि उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जितेंद्रसिंह दादौरिया ने बुधवार को दुकान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान उर्वरक के भंडारण, बिक्री और रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं।

जांच में सबसे बड़ी गड़बड़ी यूरिया के स्टॉक को लेकर मिली। विभाग के अनुसार, पीओएस मशीन में 1102 बैग यूरिया उपलब्ध दिखाया गया था, लेकिन निरीक्षण के समय दुकान में एक भी बैग मौजूद नहीं मिला। विभाग का मानना है कि यह रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर है, जिससे अवैध बिक्री या कालाबाजारी की आशंका मजबूत होती है।

कई नियमों के उल्लंघन का आरोप

जांच में पाया गया कि संबंधित फर्म ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा 4, 5, 8 और 35 का उल्लंघन किया। इसके अलावा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों का भी पालन नहीं किया गया। विभाग ने यह भी पाया कि शासन के ई-टोकन सिस्टम से जुड़े निर्देशों का पालन नहीं किया गया। इन अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए उर्वरक निरीक्षक जितेंद्रसिंह दादौरिया ने बुधवार देर रात पंधाना थाने में संबंधित विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कृषि विभाग का कहना है कि खरीफ सीजन में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से उर्वरक विक्रेताओं का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। विभाग ने साफ किया है कि जमाखोरी, रिकॉर्ड में हेराफेरी या अनियमित बिक्री करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मेसी ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

अटलांटा (एजेंसी) • अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने जादुई प्रदर्शन से टीम को फीफा विश्वकप फाइनल में पहुंचाने के दौरान ही एक नया विश्व रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इंग्लैंड के खिलाफ हुए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मेसी ने दो गोल करने में असिस्ट (सहायता) की इससे उनकी टीम को 2-1 से जीत मिली। इसके साथ ही मेसी के नाम अब विश्वकप में कुल 12 असिस्ट दर्ज हो गए हैं। इन 12 में से 10 असिस्ट उन्होंने टूर्नामेंट के बेहद दबाव भरे नॉकआउट मुकाबलों में किए हैं, जो उनकी असाधारण खेल समझ और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाते हैं। आंकड़ों के अनुसार मेसी इस अभूतपूर्व मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गौरतलब है कि विश्व कप के पूरे इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने 8 से अधिक असिस्ट नहीं किए हैं, जो मेसी की उपलब्धि को और भी खास बना देता है।

मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल के कई प्रयास किए लेकिन कोई भी टीम सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से लगातार प्रयास जारी रहे, और मुकाबले के आखिरी 7 मिनटों में टीम ने एक जबरदस्त वापसी करते हुए मैच का रुख ही पलट दिया। मैच के 85वें मिनट में मेसी के एक बेहतरीन पास पर एंजो फर्नांडेज ने एक गोल दाग दिया। जिससे स्कोर 1-1 से बराबरी पर आ गया। इसके बाद मेसी ने फिर असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक शानदार पास दिया, जिसे लाउतारो मार्टिनेज ने हेडर की मदद से गोल में बदलने में कोई गलती नहीं करते हुए अर्जेंटीना को मैच में 2-1 से आगे कर दिया।

कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही थीं काजल

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' के साथ अभिनेत्री काजल अग्रवाल पूरी तरह तैयार हैं। इसे लेकर काजल अग्रवाल ने अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से एक कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही थीं। फिल्म द इंडिया स्टोरी ने आखिरकार उनकी इस इच्छा को पूरा कर दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में काजल अग्रवाल ने वकील अर्चना का सशक्त किरदार निभाया है। अर्चना एक ऐसी जुझारू वकील हैं जो समाज के आम नागरिकों के अधिकारों के लिए लड़ती हैं। उनका संघर्ष उन शक्तिशाली कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने और मुनाफा कमाने का आरोप है। यह फिल्म एक गहन कोर्टरूम ड्रामा और एक इन्वेस्टिगेटिव कहानी के माध्यम से कई गंभीर सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालती है, जिनमें फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से संबंधित चुनौतियां प्रमुख हैं। फिल्म का उद्देश्य इन महत्वपूर्ण विषयों पर जनमानस में चर्चा शुरू करना है और समाज को जागरूक करना है।

बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर टिलेमैन्स मैनचेस्टर यूनाइटेड से खेलते नजर आयेंगे

लंदन (एजेंसी) • बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल के एक प्रमुख क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर खेलते हुए दिखेंगे। मैनचेस्टर ने मिडफील्डर यूरी के साथ जून 2031 तक के लिए करार किया है। यह ट्रांसफर सभी जरूरी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा। वह 2026/27 सीजन से पहले माइकल कैरिक की टीम से जुड़ेंगे और नंबर 18 की जर्सी पहनेंगे। ये जर्सी क्लब के महान मिडफील्डर पॉल स्कोल्स ने 1996/97 सीजन से लेकर 2010/11 तक पहनी थी। टिलेमैन्स ने बेल्जियम की ओर से 90 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और हाल ही में फीफा विश्व कप में बेल्जियम के क्वार्टर फाइनल तक के सफर में इनकी अहम भूमिका रही है। वहीं स्कोल्स जैसे दिग्गज की नंबर 18 की जर्सी पहनना उनके लिए सम्मान की बात होगी। क्लब से जुड़ने के बाद इस मिडफील्डन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड जैसी बड़ी टीम का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, शब्दों में अपनी खुशी नहीं बतायी जा सकती है। इतने बड़े और ऐतिहासिक क्लब के लिए खेलना मेरे बचपन के सपनों में शामिल था। यह मेरी कई साल की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने साथ ही कहा कि उन्हें अपने करियर में कई सफलताएं मिली हैं, लेकिन अब वे और बड़ी उपलब्धियां हासिल करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य स्पष्ट है कि आने वाले वर्षों में बड़ी ट्रॉफियां जीतनी हैं, और वे इसके लिए पूरी मेहनत करेंगे। पिछले सीजन में, टिलेमैन्स ने एस्टन विला के लिए शानदार प्रदर्शन किया था।

जी5 लाया है बच्चों के लिए नई सौगात, पुरानी कहानी पर आधारित एनीमेशन शिवलोक के कुंडक्का मंडक्का किड्स यूनिवर्स में हुआ शामिल

मुंबई (एजेंसी) •जी5 पर बच्चों को बिना किसी चिंता के सुरक्षित, मज़ेदार और उनके पसंदीदा वीडियो उपलब्ध कराने वाले चद्वर्स्र ने सदियों पुरानी कहानी पर आधारित एक नए एनिमेटेड शो, शिवलोक के कुंडक्का मंडक्का के लॉन्च के साथ बच्चों के कंटेंट पोर्टफोलियो को और मज़बूत किया है। जाने-माने लेखक, आनंद नीलकंठन की बच्चों के लिए लिखी गई और सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब वेरी, एक्सट्रीमली, मोस्ट नॉटी असुरा टेल्स फॉर किड्स पर आधारित शिवलोक के कुंडक्का मंडक्का के जरिए पुराणों कि उस दुनिया को स्क्रीन पर पेश किया गया है। 17 जुलाई को प्रीमियर होने वाले इस शो की कहानी कुंडक्का और मंडक्का नाम के दो शरारती असुर जुड़वां भाइयों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी चुलबुली शरारतें उन्हें हिम्मत, दोस्ती और नई सीख से भरे एक अनोखे सफ़र पर ले जाती हैं। रामायण और महाभारत की जानी-पहचानी कहानियों से अलग, पौराणिक कथाओं की एक अनोखी दुनिया पर आधारित यह सीरीज़ बच्चों और उनके परिवारों को भारत की सदियों पुरानी परंपरा से जुड़े नए किरदारों, अनदेखी दुनिया और जादुई रोमांच से रूबरू कराती है। हंसी-मज़ाक, एक्शन और शानदार एनीमेशन के बेहतरीन तालमेल से बनी यह सीरीज आज के बच्चों के लिए पौराणिक कहानियों को नए अंदाज़ में पेश करती है, और यह सीख भी देती है कि कोई इंसान अपनी कमियों या खूबियों से नहीं, बल्कि सही समय पर सही फैसला लेने से हीरो बनता है। शिवलोक के कुंडक्का मंडक्का को एक बहुत बड़े यूनिवर्स की शुरुआत के तौर पर पेश किया गया है, जो आगे चलकर नए किरदारों और कहानियों के साथ और भी बड़ा होता जाएगा। यह बच्चों को भारत की पौराणिक कहानियों को एक ऐसे नज़रिए से देखने का मौका देती है जो मज़ेदार, अनोखा और बिल्कुल नया है।

उज्जैन संभाग

रथयात्रा में पुलिस की सतर्कता, संदिग्ध गिरफ्तार, रथयात्रा के दौरान कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा के दौरान पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए 24 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आशंका है कि ये संदिग्ध भीड़ का फायदा उठाकर जेबकतरी या चोरी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। सभी गिरफ्तार संदिग्धों से पूछताछ जारी है। रथयात्रा मार्ग पर, जो आगर रोड से देवास रोड तक फैला था, और संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। इसी दौरान उप पुलिस अधीक्षक कमल निगवाल और थाना प्रभारी नागझिरी के नेतृत्व वाली टीम ने सात संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। उनकी संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थानों को सौंप दिया गया।

एक अन्य घटना में, नगर पुलिस अधीक्षक माधव नगर श्रीमती दीपिका शिंदे के नेतृत्व में तैनात टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। आरोपी को तुरंत थाना पुलिस के हवाले कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। यह कार्रवाई सीएसपी माधव नगर दीपिका शिंदे, सीएसपी नानाखेड़ा श्वेता गुप्ता, डीएसपी विवेक कनोडिया, थाना प्रभारी देवासगेट निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार, थाना प्रभारी माधवनगर निरीक्षक गजेंद्र पचोरिया और उनकी पुलिस टीमों के संयुक्त प्रयास का परिणाम थी। कुल 24 संदिग्धों को पकड़ा गया है, जिनके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस की इस सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण रथयात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हुई। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक ने डीएसपी कमल निगवाल, थाना प्रभारी नागझिरी और उनकी पूरी टीम को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसी तरह, सीएसपी दीपिका शिंदे और उनकी टीम (आरक्षक अरुण, अशोक, दीप सिंह एवं केदार पटेल) को भी 10 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

सिद्दीकगंज रोड पर शासकीय जमीन पर अवैध निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

खाचरोद • ग्रामीणों ने उप सरपंच प्रतिनिधि मिट्ठुलदास पर आरोप लगाया है। आरोप है कि वह सिद्दीकगंज रोड स्थित पगारिया जोड़ की सरकारी जमीन पर कब्जा कर लाखों रुपए में प्लॉट बेच रहा है। बिना अनुमति पक्का निर्माण भी कराया जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक जमीन शासकीय रिकॉर्ड में सरकारी दर्ज है।

जमीन मेन रोड पर है। कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। जमीन कई वर्षों से खाली पड़ी थी। अब अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने तहसीलदार आष्टा को लिखित आवेदन दिया है। अतिक्रमण हटाने की मांग की है। निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है। शासकीय भूमि बेचने के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो जमीन पर स्थायी कब्जा हो जाएगा।

जांच में पक्का निर्माण मिला हल्का पटवारी बलराम रजक ने बताया कि मौके पर पहुंचकर निर्माण रोकने के निर्देश दिए थे। ग्राम कोटवार प्रेमराज की मौजूदगी में पंचनामा बनाया गया। अतिक्रमणकर्ता को निर्माण नहीं करने के लिए कहा गया। इसके बाद भी निर्माण जारी रहा। मौके पर मांगीलाल पुत्र हरीसिंह द्वारा पक्का निर्माण पाया गया। रिपोर्ट तहसीलदार को सौंप दी गई है। नायब तहसीलदार संदीप गौर ने बताया कि ग्रामीणों के आवेदन पर जांच कराई गई। जांच में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर पक्का निर्माण होना पाया गया।

पटवारी की रिपोर्ट पर तत्काल स्थगन आदेश जारी किया गया है। इसके बाद भी निर्माण बंद नहीं हुआ तो मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने शासकीय भूमि का सीमांकन कराने की मांग की है। अवैध निर्माण तत्काल हटाने की मांग की है। प्लॉट बेचने के आरोपों की जांच की मांग की है। सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। अब राजस्व विभाग की आगे की कार्रवाई पर नजरें टिकी हैं।

मेडिकल वेस्ट में आग, हाईवे पर यातायात प्रभावित, डायवर्ट करना पड़ा रूट

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • इंदौर-भोपाल हाईवे पर जैतपुरा के पास गुरुवार को सड़क किनारे पड़े मेडिकल वेस्ट में आग लग गई। आग से उठे घने धुएं के कारण हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। करीब 25 से 30 मिनट तक यातायात बाधित रहा।

सूचना मिलते ही देवास से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड कर्मचारी सागर सांगते ने बताया कि हाईवे पर धुएं के कारण दृश्यता कम होने की सूचना मिली थी। टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

सड़क किनारे पड़ा था अस्पताल का मेडिकल वेस्ट

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे अस्पताल का मेडिकल वेस्ट पड़ा था। इसमें किसी अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी। आग के बाद धुआं दूर तक फैल गया, जिससे हाईवे पर आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी हुई। गौरतलब है कि जैतपुरा क्षेत्र में हाईवे किनारे अस्पतालों का मेडिकल वेस्ट खुले में पड़े होने की शिकायतें पहले भी सामने आ चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मेडिकल वेस्ट का सुरक्षित निस्तारण कराने और क्षेत्र में नियमित निगरानी की मांग की है।

नगर निगम से पास, शासन स्तर पर अनुमति बाकी, स्वीमिंग पूल खेल विभाग को देने की तैयारी शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नगर निगम कार्यालय के पीछे बना अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वीमिंग पूल अब खेल विभाग को दिया जाएगा। निगम ने इसके लिए शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा है। अनुमति के बाद पूल का संचालन, रखरखाव और उपयोग की जिम्मेदारी खेल विभाग संभालेगा। निगम ने इसका उद्देश्य बताया कि कि यह सुविधा शहर के खिलाड़ियों और तैराकों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए उपयोग में आ सके। करीब 10 करोड़ की लागत से वर्ष 19 में तैयार स्वीमिंग पूल का शुरुआती संचालन ननि ने किया था। हालांकि रखरखाव और संचालन संबंधी चुनौतियों के चलते बाद में इसे निजी एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई। पिछले वर्ष टेंडर के बाद कुछ समय के लिए निजी कंपनी ने संचालन भी किया, लेकिन गर्मी के मौसम में संचालन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो सका। स्वीमिंग पूल को खेल विभाग को देने का प्रस्ताव नगर निगम की एमआईसी बैठक में पारित हो चुका है। हालांकि निगम की भूमि अन्य विभाग को सौंपने को लेकर शुरुआती स्तर पर सवाल उठे थे, लेकिन बाद में अधिकांश सदस्यों ने इसे खेल विभाग को देने पर सहमति जताई। इसके बाद निगम ने शासन को प्रस्ताव भेज दिया। नगर निगम अपर आयुक्त संतोष टैगोर ने बताया कि प्रस्ताव की आगे की प्रक्रिया जारी है। शासन से अनुमति मिलने के बाद खेल विभाग ही पूल के संचालन और भविष्य की योजना तय करेगा।

बिजली ग्रिड : पहले जमीन और अब कैट का रोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की स्कीम 97 यानी रेत मंडी के पास बन रही उच्चदाब 132 केवी बिजली ग्रिड के भूमिपूजन का मुहूर्त दो साल बाद भी नहीं निकला पा रहा है। फिर जमीन कम पड़ गई। अतिरिक्त जमीन आवंटन हुआ तो नामांतरण को लेकर परेशानी आई। अब जमीन की सारी कागजी औपचारिकता पूरी हो गई तो भी ग्रिड निर्माण का काम शुरू नहीं हो सका। राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (कैट) और बिजली ट्रांसमिशन कंपनी के बीच सहमति बनने तक ग्रिड का काम शुरू नहीं हो सकेगा। शहर में विद्युत अधोसंरचना को मजबूती देने के लिए शहर के दूसरे हिस्से में 132 केवी का बिजली सब स्टेशन बनाया जाना है। करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस सब स्टेशन से राजेंद्रनगर से लेकर राऊ, बायपास क्षेत्र व दक्षिण और पश्चिमी सिरे की बसाहट को बेहतर बिजली सुविधा मिल सकेगी। लगातार बढ़ रहे विद्युत भार को देखते हुए इस उपकेंद्र की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। उपकेंद्र के निर्माण से लोड बैलेंसिंग बेहतर होगी, वोल्टेज प्रोफाइल में सुधार आएगा तथा किसी फॉल्ट या आपात स्थिति में वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना आसान होगा। इससे लाखों घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) इस ग्रिड का निर्माण करेगी। महंगी होती जमीन और सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने से ग्रिड का काम शुरू नहीं हुआ। 2024 से जमीन को लेकर इंदौर विकास प्राधिकरण से चर्चा शुरू हुई। आइडीए ने पहले 1 हेक्टेयर जमीन देने पर सहमति दी। इसके बाद ट्रांसको ने और जमीन की आवश्यकता बताई। इसके बाद फिर से 0.6 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई। एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल लाठी के अनुसार रेतीमंडी क्षेत्र में प्रस्तावित 132 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन को विद्युत आपूर्ति देने के लिए वर्तमान 132 केवी साउथ जोन-घाटाबिल्लौद ट्रांसमिशन लाइन का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। सबस्टेशन के नजदीक से ही 132 केवी साउथ जोन-केट के दो सर्किट जा रहे हैं। जिसमें से एक सर्किट को भी प्रस्तावित सबस्टेशन पर लाइन इन- लाइन आउट किये जाने का प्रस्ताव है।

दूसरी रुकावट

जमीन मिलने के बाद भी ट्रांसको ने ग्रिड निर्माण का काम शुरू नहीं किया। इस पर आरोप लगने लगे कि सरकारी लेटलतीफी जारी है। इस पर ट्रांसको ने बताया कि ग्रिड निर्माण के लिए आने वाला फंड और प्रोजेक्ट तब तक शुरू नहीं हो सकता जब तक जमीन कागजों पर या तो प्रदेश के उर्जा विभाग या ट्रांसमिशन कंपनी के नाम ना चढ़ जाए। दो महीने पहले आइडीए ने प्रक्रिया कर जमीन आवंटन कर दी। साथ इसे शासन के उर्जा विभाग के नाम भी कर दिया। इसके बाद भी ग्रिड का निर्माण अब तक शुरू नहीं हुआ तो सवाल खड़े होने लगे। ट्रांसमिशन कंपनी ने कहा है कि ग्रिड निर्माण के लिए वे पूरी तैयारी कर चुके हैं। जहां ग्रिड बन रही हैं वहीं भारत सरकार के अतिमहत्वपूर्ण संस्थानों में शामिल कैट है। कैट के भीतर एक ग्रिड है। नई बनने वाली ग्रिड में उस ग्रिड से एक लाइन आना है। साथ नई ग्रिड से कैट को भी दोहरी लाइन देना है। ताकि आपास स्थिति में भी वहां बिजली आपूर्ति बाधित न हो। कैट और केंद्रीय स्तर पर इस बारे में प्रस्ताव दिया है। जब तक कैट की स्वीकृति नहीं मिल जाती तब तक इस ग्रिड का काम शुरू नहीं हो सकता।

बीजेपी के पूर्व विधायक जीतू जिराती के करीबी नेता नीलेश ने 200 करोड़ की सीलिंग जमीन पर ली विकास मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बीजेपी के राऊ से पूर्व विधायक जीतू जिराती के करीबी नेता और पूर्व पार्षद पति नीलेश चौधरी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। नीलेश चौधरी व उनके परिवार की हातोद स्थित 17 हेक्टेयर की सीलिंग जमीन पर विकास मंजूरी हो गई है।

इंदौर कलेक्ट्रेट की कॉलोनी सेल में बीजेपी नेता ने बड़ा खेल कर दिया है। राऊ के पूर्व विधायक जीतू जिराती के करीबी नेता और पूर्व पार्षद पति नीलेश चौधरी व उनके परिवार ने हातोद के सोनगीर गांव में स्वास्तिक ग्रांड नाम से कॉलोनी का प्रोजेक्ट शुरू किया था। इस प्रोजेक्ट को 8 जनवरी 2025 को विकास मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद जून 2025 में रेरा की मंजूरी भी मिल गई। लेकिन दूसरे बिल्डर मेहुल पिता नवीन मेहता ने इस प्रोजेक्ट पर सवाल उठाए और जांच की मांग की। जांच में सामने आया कि जिस जमीन पर कॉलोनी विकसित की जा रही थी, वह सीलिंग जमीन है। इसके बाद पूरे

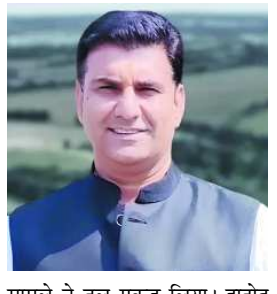

मामले ने तूल पकड़ लिया। हातोद के सोनगीर गांव की करीब 17 हेक्टेयर जमीन के लिए कॉलोनी की विकास मंजूरी का आवेदन लगाया गया था। इसमें कई सर्वे नंबरों की जमीन शामिल थी। यह जमीन नीलेश चौधरी के पिता बाबूलाल चौधरी, उनके भाई दिनेश और सुनील के साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर दर्ज थी। इस प्रोजेक्ट में शरद गुप्ता पिता रामजीलाल गुप्ता को डेवलपर बनाया गया। मंजूरी लेने के दौरान साल 2009-10 का एक आदेश लगाया गया, जिसमें दावा किया गया कि यह जमीन सीलिंग से मुक्त होकर निजी रिकॉर्ड में दर्ज हो चुकी है।

सीलिंग की जमीन का पता कैसे चला

इसी जमीन के पास मेहुल पिता नवीन मेहता का भी प्रोजेक्ट आना है, जो मेसर्स लुमिनियस इन्फ्राप्रोजेक्ट के नाम से है। जब मेहता विकास मंजूरी लेने पहुंचे तो उन्होंने भी जमीन के दस्तावेज जमा किए और बताया कि जमीन सीलिंग मुक्त हो चुकी है।

इस पर कॉलोनी सेल ने सीलिंग मुक्त होने का आदेश मांगा। मेहता ने भी वही आदेश नंबर बताया, जिसका जिक्र नीलेश चौधरी और अन्य लोगों ने स्वास्तिक ग्रांड प्रोजेक्ट में किया था। लेकिन जब उस आदेश की कॉपी मांगी गई तो वह उपलब्ध नहीं हो सकी।

इसके बाद मेहता ने सवाल उठाया कि जब इसी आदेश के आधार पर स्वास्तिक ग्रांड को मंजूरी दी गई है तो उन्हें भी उसी आधार पर मंजूरी दी जाए। इसके बाद कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर फाइल दोबारा खोली गई और पूरे मामले की जांच शुरू की गई।

जमीन पर वन विभाग का पेंच, संयुक्त सीमांकन तक नहीं हुआ, हर बार अटक गई योजना

बार-बार अटक रही है छावनी अनाज मंडी की शिफ्टिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के बीच स्थित छावनी अनाज मंडी को शहर से बाहर शिफ्ट करने की कवायद 23 वर्षों से सिर्फ घोषणाओं और फाइलों तक सीमित है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर मंडी शिफ्ट करने की घोषणा की। यह तीसरी बार है, जब मुख्यमंत्री स्तर से ऐलान हुआ है, लेकिन आज तक नई मंडी के लिए जमीन तक अंतिम रूप नहीं ले सकी। मोरोद-माचला की प्रस्तावित जमीन पर वन विभाग और राजस्व विभाग के दावों का विवाद बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि दोनों विभाग अब तक संयुक्त सीमांकन भी नहीं कर पाए हैं।

1960 में बनी 17 एकड़ की छावनी अनाज मंडी में आज करीब 700 व्यापारी, प्रतिदिन 15 से 20 हजार बोरी अनाज की आवक, 3 से 4 हजार किसान और 400 से 500 वाहन पहुंचते हैं। शहर के बीच होने से यहां रोज ट्रैफिक जाम लगता है, इसलिए व्यापारी वर्षों से शिफ्टिंग की मांग कर रहे हैं। मंडी समिति को 70 से 100 एकड़ जमीन चाहिए, लेकिन पर्याप्त सरकारी जमीन नहीं मिलने और तकनीकी अड़चनों के कारण हर योजना अधूरी रह गई।

आईडीए भी पीछे हटा, 9.5 लाख की कंसल्टेंसी का बिल थमाया

पूर्व कलेक्टर आशीष सिंह ने मोरोद में मंडी और ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने की जिम्मेदारी आईडीए को सौंपी थी। करीब 310 एकड़ की इस परियोजना के लिए दो कंसल्टेंट नियुक्त किए गए, लेकिन वन भूमि और स्वामित्व विवाद के कारण आईडीए ने बोर्ड बैठक में परियोजना निरस्त कर दी। इस दौरान खर्च हुए 9.5 लाख रुपए मंडी समिति से वापस मांगे गए हैं।

हर बार आई नई अड़चन-मंडी शिफ्टिंग की शुरुआत 2003 में देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड से हुई थी। इसके बाद माचला, कैलोद करताल और मोरोद सहित कई स्थानों पर जमीन देखी गई, लेकिन कहीं जमीन कम निकली तो कहीं ऊंचाई, स्वामित्व और वन भूमि के विवाद सामने आ गए। नतीजा, हर बार योजना ठंडे बस्ते में चली गई।

वन विभाग बनाम राजस्व का दावा-मोरोद-नेहरू क्षेत्र के सर्वे नंबर 372/1 की करीब 125.221 हेक्टेयर भूमि पर वन विभाग आरक्षित वन होने का दावा कर रहा है और भारत सरकार की अनुमति आवश्यक बता रहा है। वहीं, मंडी समिति का कहना है कि 70 एकड़ जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। अब मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद प्रशासन और वन विभाग का संयुक्त सर्वे प्रस्तावित है, जिससे वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

धूमधाम से शुरू हुई इंदौर-अबुधाबी उड़ान में आधी सीटें रही खाली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की मांग तो लगातार की जाती है, मगर एक समस्या यह है कि विमान कम्पनियों को पर्याप्त यात्री नहीं मिलते। इंदौर-दुबई उड़ान तो सफल थी, जिसे बंद कर दिया। उसके बाद शारजहां और अब अबूधबाी की इंदौर से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू हुई। कल शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसका शुभारंभ किया और पहली उड़ान को झंडी दिखाकर रवाना किया। मगर 180 सीटों में से 79 ही बुक हुई और 101 सीटें खाली रहीं। अलबत्ता वापसी में अवश्य अवश्य 160 सीटें की सीटें बुकिंग बताई ग है। शासन-प्रशासन को चिंता इस बात की है कि कहीं पर्याप्त संख्या में यात्री ना मिलने के कारण ये उड़ान भी कुछ समय बाद बंद हो जाए। हालांकि 15 लाख रुपए प्रति ऐसी अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए प्रदेश सरकार सब्सिटी भी दे रही है। इसे वाइबिलटी गैप फंडिंग नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सब्सिडी से यात्रियों पर हवाई किराए का भार भी घटकर आधा रह जाएगा।

नाना के करीबियों पर सट्टे के भी केस, बिल्डर मंत्री ने डॉ. बंसल से लिया फर्जी मेडिकल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस प्रदेशअध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी के करीबियों पर अब ड्रग के साथ अन्य केस भी दर्ज हो गए। इन पर आनलाइन गेमिंग, सट्टे की धाराओं के साथ संगठित अपराध का केस हुआ है। वहीं बिल्डर सुमित मंत्री ने डॉ. दीपक बंसल से फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी के करीबी घिर गए हैं। इसके साथ ही धीरे-धीरे पुलिस नाना की ओर मजबूत सबूतों के साथ बढ़ती जा रही है। बुधवार 15 जुलाई की देर रात को नाना और बिल्डर सुमित मंत्री से पूछताछ हुई। इसके बाद छोड़ दिया गया। नाना के करीबी रौनी भाई उर्फ संजय कौशल ड्रग मामले में आरोपी है और पुलिस रिमांड में हैं। इनके साथ ही मनीष, दिनेश श्रीवास्तव उर्फ यश, प्रीतेष त्रिपाठी पर केस किया है।

इन पर ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025, सट्टा की धारा और संगठित अपराध की धारा में केस किया है। पुलिस जांच में आया कि भारत में बैन ऑनलाइन सट्टा, गेमिंग की

वेबसाइट की लिंक आईडी मनीष बनाता है और फिर यह कस्टमर को देता है। इससे वह सट्टा खेलते हैं। जितने का सट्टा खेलना होता है उतनी राशि मनीष को दी जाती है और बदले में वह आईडी क्रिए कर कस्टमर को देता था। इसमें नाना ने 6 माह में 65 लाख लगाए हैं। नाना की और सटोरियों की लिंक की तलाश की जा रही है। वहीं बिल्डर सुमित मंत्री जो शुभम ग्रुप के प्रमुख है और जीतू के अन्य भाई भरत के साथ दो कंपनियों में डायरेक्टर भी है। उनसे भी पूछताछ हुई है। पहले तो सुमित मंत्री ने डॉक्टर दीपक बंसल से एक फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाया था। इस सर्टिफिकेटमें बताया गया था कि सुमित मंत्री बेड रेस्ट पर है और पांच दिन तक नहीं आ सकते।

शहर में 128 करोड़ के घटिया पीएम आवास की शिकायत, 1000 से ज्यादा फ्लैट में करंट फैलने का खतरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए आवासीय प्रोजेक्ट की प्रदेश में हालत अच्छी नहीं है। जगह-जगह से इनकी गुणवत्ता खराब होने और मूलभूत सुविधाएं नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हाई कोर्ट ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है ताकि यह पता चल सके कि इतनी खराब गुणवत्ता के बाद भी सुधार क्यों नहीं करवाया गया। इंदौर में इस योजना के तहत बने लाइट हाउस प्रोजेक्ट की हालत सबसे ज्यादा खराब है। यहां बने एक हजार से ज्यादा फ्लैट में सीलन, पानी का रिसाव और करंट फैलने का खतरा है।

दो साल में ही ये आवास जर्जर होने पर रहवासियों ने न्यायालय की शरण ली। इसी तरह भोपाल के करोंद, बैरागढ़ क्षेत्र में पीएम आवास योजना के प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं लेकिन खराब गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाएं नहीं पहुंचने की शिकायतें यहां से भी आई हैं। ग्वालियर और जबलपुर में भी प्रोजेक्ट के हाल कुछ इसी तरह के हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के अधिकारियों ने भी माना कि गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। इंदौर के कनाड़िया स्थित गुलमर्ग परिसर में पीएम आवास योजना के तहत लाइट हाउस प्रोजेक्ट के फ्लैट तैयार किए गए हैं। ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलाजी चैलेंज के तहत केंद्र द्वारा मिली वित्तीय सहायता से 128 करोड़ रुपये खर्च कर प्री फेब्रिकेटेड सैंडविच तकनीक से ये 1024 आवास बनाए गए हैं।

बकाया लीजरेंट जमा कराने आईडीए लगा रहा शिविर तय स्थान पर जमा करने की सुविधा दी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आईडीए प्रबंधन अपनी विभिन्न स्कीम्स में बकाया वार्षिक लीज जमा कराने के लिए शिविरों का आयोजन कर रही है। इससे लीजधारकों को आईडीए कार्यालय के बजाय अपने निकटस्थ स्थान पर लीज जमा करने का मौका मिलेगा।

इंदौर विकास प्राधिकारण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी परीक्षित झाड़े के अनुसार बकाया लीजरेंट जमा कराने रहवासियों को अब आईडीए कार्यालय आने की जरूरत नहीं है। वे बजाय अपने निवास के पास लगने वाले शिविर में लीजरेंट जमा करा सकते हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार स्कीम नं. 54, 71, 31, 51, 140 में ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। 16 से 18 जुलाई तक स्कीम नं. 54, कस्तूरी सभागृह में लगे शिविर में स्कीम नं. 59,71, 103, 97 (भाग 2 एवं भाग 4 संपूर्ण), 135 के लीजरेंट धारक अपना बकाया जमा करा सकते हैं।

ये व्यवस्था - इसी प्रकार 25 जुलाई तक योजना क्र. 71-सी, पानी की टंकी पर लगने वाले शिविर में स्कीम नं. 31, 11, 30, 31, 38, 43, 44, 46, 47, 99 के लीजधारक राशि जमा करा सकते हैं। इसी प्रकार इंदिरा काम्प्लेक्स, स्कीम नं. 98, 100, 101, 102 के लीजधारकों के लिए 29 से 31 जुलाई तक योजना क्र. 31, नवलखा काम्प्लेक्स शाप नं. बी-3 में शिविर आयोजित किया जा रहा है। वहीं स्कीम नं. 51,155,166, 91 के लीजधारक 6 से 8 अगस्त तक स्कीम नं. 51 पानी की टंकी नगर निगम जोनल कार्यालय एवं स्कीम नं. 140, 94 के लीजधारक 13-14 अगस्त को आनंद वन 2 आरसीएम 14, स्कीम नं. 140 पर शिविर में लीज जमा कर सकते हैं।

नीचे बारिश का पानी ऊपर केबल से बिजली

ग्रिड में स्पेशल डक्ट का निर्माण खुदाई में मिले कोयले के टुकड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नीचे पानी का प्रवाह और ऊपर बिजली का करंट बहेगा। इस तरह का अनोखा व सुरक्षित प्रयोग इंदौर के पोलोग्राउंड स्थित चंबल अति उच्चदाब स्टेशन से निकलने वाले विद्युत वितरण कंपनी के फीडरों के संदर्भ में किया जा रहा है। करीब ढाई करोड़ रुपए की लागत से शहर के सबसे पुराने इस बिजली घर में नवाचार के तहत विशेष कार्य किया जा रहा हैं। अचरज की बात हैं कि नए कार्य के लिए डक्ट निर्माण के लिए जब खुदाई की गई तो अंदर से कोयले के टुकड़े भी निकले, जो इस बात का एक बार फिर सबूत पेश करते हैं कि होलकर स्टेट के समय पोलोग्राउंड में बिजली का कोयले, पानी से उत्पादन किया जाता था। वर्तमान में मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शहर के सबसे पुराने बिजली केंद्र चंबल 132 केवी ग्रिड से शहर के 16 उच्चदाब 33 केवी फीडरों की कनेक्टिविटी केबल के माध्यम से करा रही है, इससे शहर के बड़े क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आएगा और शिकायतों में व्यापक रूप से कमी आएगी।

कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर 33 केवी की उच्च गुणवत्ता की केबल-विशेष रूप से भूमिगत पद्धति से स्थापित की जा रही हैं, जो ग्रिड के बाहर शहर के उत्तर संभाग, पूर्व संभाग, पश्चिम संभाग, मध्य संभाग के 16 स्थानों के 33/11 केवी ग्रिडों तक पहुंचने वाले फीडरों को जोड़ेगी। इससे तेज हवा, किसी एक फीडर में होने वाले तकनीकी व्यवधान के कारण दूसरे क्रासिंग फीडरों के बिजली अवरोध को रोका जा सकेगा।

जूनी इंदौर, पारसी मोहल्ला, राजमोहल्ला, रेसकोर्स क्षेत्र में भवन निर्माण बने चुनौती

जहां टीएनसीपी प्लान नहीं, वहां नक्शे स्वीकृत नहीं होंगे-निगम आयुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर के उन पुराने क्षेत्रों में जहां टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) विभाग से ले-आउट प्लान स्वीकृत नहीं हैं, वहां नगर निगम सीधे तौर पर भवन निर्माण के नक्शे स्वीकृत नहीं कर सकता। वर्ष 2022 में इंदौर नगर निगम के प्रस्ताव पर नगरीय प्रशासन विभाग ने डेटा फार्म के माध्यम से पास होने वाले नक्शों पर रोक लगा दी थी। इसके बाद जूनी इंदौर, पारसी मोहल्ला, राजमोहल्ला के कुछ हिस्से, रेसकोर्स रोड, राजवाड़ा के आसपास के खसरे और रेसीडेंसी क्षेत्र में भवन निर्माण के नक्शे स्वीकृत होना बंद हो गए।

पुराने शहर के लाखों लोग प्रभावित - इसका असर शहर के लगभग ढाई लाख रहवासियों पर पड़ा है। लोग नए मकान बनाने, पुराने भवनों के रिनोवेशन और अन्य निर्माण कार्य नहीं करा पा रहे हैं। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में व्यावसायिक भवन, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस सहित स्थानीय रहवासी पिछले तीन वर्षों से इस समस्या के समाधान और स्पष्ट नियम बनाने की मांग कर रहे हैं।

हाईराइज इमारतों के नक्शे हुए पास उन्होंने बताया कि डेटा फार्म की-प्रक्रिया के जरिए हाईराइज इमारतों के नक्शे भी स्वीकृत होने लगे थे। शिकायतों के बाद तत्कालीन निगम आयुक्त के प्रस्ताव पर वर्ष 2022 में नगरीय प्रशासन विभाग ने पूरी प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। तब से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बन सकी है।

निगम ने शासन को भेजा प्रस्ताव

निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि जिन क्षेत्रों के टीएनसीपी प्लान स्वीकृत नहीं हैं, वहां नगर निगम भवन अनुज्ञा जारी नहीं कर सकता। पहले ऐसे क्षेत्रों में डेटा फार्म के माध्यम से नक्शा स्वीकृत करने की व्यवस्था थी, लेकिन नगरीय प्रशासन विभाग ने उस प्रक्रिया पर रोक लगा दी। इसके कारण पुराने इंदौर के कई हिस्सों में भवन निर्माण की अनुमति नहीं मिल पा रही है। इन क्षेत्रों के लिए नई प्रक्रिया और नियम तय करने के संबंध में नगर निगम ने शासन को पत्र भेजा है।

इसलिए लगानी पड़ी थी रोक-सिटी प्लानिग से जुड़े इंजीनियर अनिल जोशी ने बताया कि वर्ष 2022 तक इन क्षेत्रों और रेसकोर्स इलाके में बिना टीएनसीपी मंजूरी के डेटा फार्म के माध्यम से कई बड़े व्यावसायिक भवन के नक्शे स्वीकृत कराए गए। जिसके बाद तत्कालीन निगम आयुक्त हर्षिका सिंह ने डेटा फार्म से पास होने वाले नक्शों पर रोक लगा दी गई थी। जबकि व्यावसायिक भवन और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए ग्राम तथा नगर निवेश विभाग के नियमों के अनुसार निर्माण से पहले टीएनसीपी की मंजूरी अनिवार्य है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।